दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 351 जयपुर, शुक्रवार, 01 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- चतुर्थी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

प्रदेश में मौसम: सप्ताह के अंत में सर्दी होगी पूरे शबाब पर, कहीं-कहीं हुई वर्षा... कुछ जगह आज भी होगी बूंदाबांदी

ठंडी हवाएं, घना कोहरा... विजिबिलिटी रही 100 मीटर से भी कम

बेधड़क | जयपुर

कई जगह बारिश और तमाम स्थानों पर कोहरे का सम्राज्य ठंड के तेवर तेज कर रहा है।

प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में गुरुवार को दिनभर कोहरे के साथ ही बादल भी छाए रहे, जिससे सूर्य देव के दर्शन तक दुर्लभ हो गए। अल-सुबह तो जयपुर शहर में ही कोहरा इतना घना था विजिबिलिटी पांच मीटर भी नहीं थी। फिर, ज्यों-ज्यों दिन बढ़ा थोड़ा कोहरा छंटा तो बादलों ने सूरज को ढांपे रखा। वहीं, विजिबिलिटी कम होने के कारण सड़कों, खासकर हाईवे पर वाहन अपेक्षाकृत दिखे।

मौसम विभाग की मानें तो सप्ताह के अंत तक सर्दी अपने पूरे शबाब पर होगी। ठंड तेज होने से दिनचर्या प्रभावित होनी तय है। मौसम विभाग के दो-तीन दिन बाद अनुसार कोहरे के हटने और बादलों के छंटने पर सर्दी और तेज होगी।

कई जगह छाए रहे बादल

जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, दौसा समेत कई शहर गुरुवार सुबह भी घने कोहरे की चपेट में रहे। बीकानेर और गंगानगर के एरिया में कोहरा छाने के साथ हल्की सर्द हवाएं चलने से तापमान में गिरावट देखने को मिली। गुरुवार को हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर के एरिया में कहीं-कहीं बादल छाए रहे तथा हल्की बारिश व बूंदाबांदी हुई। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि राज्य में एक-दो दिन ऐसे ही कोहरा छाया रहेगा।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने से रुकी उत्तरी हवाएं

उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख, पंजाब पर एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे एक चक्रवाती हवाओं का सिस्टम विकसित हुआ है। उसी के कारण उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाएं रुक गई हैं। इस कारण राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली में तापमान अभी स्थिर बना हुआ है।

कई जगह बढ़ी ह्यूमिडिटी

प्रदेश की राजधानी सहित सीकर, चूरू, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर समेत कई शहरों में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाने से यहां विजिबिलिटी 100 मीटर से कम रही। कोहरे के कारण इन शहरों में ह्यूमिडिटी का लेवल भी सुबह 70 फीसदी से ऊपर रहा।

माउंट आबू में पारा 5 डिग्री पर

हिल स्टेशन माउंट आबू में गुरुवार को तापमान सबसे कम दर्ज हुआ। यहां न्यूनतम तापमान गुरुवार को एक डिग्री सेल्सियस गिरकर 5 पर पहुंच गया। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब रहा। जैसलमेर में तापमान 12.8 डिग्री रहा, लेकिन वहां सुबह कोहरा खूब रहा। श्रीगंगानगर में हल्के बादल छाने से तापमान बढ़कर 15.6 पर आ गया।

जरूरी खबर

टी20: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा मैच आज

रायपुर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का चौथा मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला शुक्रवार को आयोजित होगा। भारत ने शुरुआती दो मैचों में जीत दर्ज की थी। इसके बाद तीसरा मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता। टीम इंडिया अब सीरीज पर कब्जे के इरादे से मैदान पर उतरेगी। टीम इंडिया रायपुर में पहली बार टी20 मैच खेलेगी। इससे पहले यहां सिर्फ एक वनडे मैच खेला है। वह मैच भारत ने न्यूजीलैंड से जीत लिया था। इसमें न्यूजीलैंड ने सिर्फ 108 रन ही बनाए थे। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए थे। टीम के अधिकतर खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सके थे। टीम इंडिया के लिए बॉलिंग करते हुए मोहम्मद शमी ने 3 विकेट झटके थे।

ये भी देखें...

आखिर क्यों बुझ रहे हैं रोशन होने से पहले घरों के चिराग पेज-2

CM के साथ हेरिटेज निगम को भी मिल जाएगा नया महापौर पेज-3

फूड पॉइजनिंग के मरीज बढ़कर हुए 110, ज्यादातर हैं बच्चे पेज-4

इंटेलीजेंस रिपोर्ट में त्रिशंकु तो सट्टा बाजार में भाजपा सरकार पेज-5

राजस्थान विधानसभा चुनाव: इस बार चुनाव प्रचार में पार्टियों के प्रमुख नेताओं ने ही संभाली कमान...

बॉलीवुड के सितारों की डिमांड रही कम

- पिछले चुनावों में चर्चित फिल्मी हस्तियों ने जुटाई थी भीड़
- इस बार कांग्रेस से जुड़े राजबब्बर व पुनीत इस्सर ही दिखे

सच बेधड़क खास-खबर

बेधड़क | जयपुर

इस बार विधानसभा चुनावों में दोनों ही प्रमुख दलों ने चुनाव प्रचार के लिए 40-40 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारा। इसमें खास बात यह रही कि स्टार प्रचारकों में दोनों ही दलों ने बॉलीवुड के बड़े चेहरों को तवज्जो नहीं दी। हालांकि, पार्टी से जुड़े कुछ बड़े नेता जो पूर्व में बॉलीवुड से जुड़े थे, वे जरूर प्रचार में आए।

इससे पूर्व 2013 व 2018 में कई फिल्मी हस्तियों ने दलों के उम्मीदवारों का प्रचार किया था। दरअसल, 'सच बेधड़क' के पिछले विधानसभा चुनावों पर रिसर्च में यह रोचक तथ्य सामने आया। तब इन हस्तियों को देखने के लिए चौक चौराहों पर खासी भीड़ उमड़ी थी। इन चेहरों से दोनों ही दलों के उम्मीदवारों को जीत भी मिली थी। इसी प्रकार साल 2018 के चुनावों में भी प्रचार के लिए कई बड़ी फिल्मी हस्तियों को प्रचार के लिए बुलाया था। तब स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी से जुड़ाव रखने वाली इन फिल्मी हस्तियों को जगह भी दी गई थी।

पिछले चुनावों में ये थे स्टार प्रचारक

राजस्थान विधानसभा चुनावों के 2013 और 2018 के चुनावों पर नजर डाली जाए तो इनमें दलों के बड़े नेताओं के अलावा फिल्मी हस्तियों ने भी प्रचार की कमान संभाली थी।

कांग्रेस ने इन हस्तियों को बुलाया था

पार्टी पदाधिकारी व मशहूर फिल्मी कलाकार राजबब्बर, गोविंदा, नगमा, जयाप्रदा सहित स्थानीय स्तर पर खासी पहचान रखने वाले टीवी सीरियल कलाकारों को भी प्रचार की कमान सौंपी थी।

तब भाजपा में ये रहे स्टार प्रचारक

भाजपा के राजनेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, सुषमा स्वराज, नितिन गड़करी, वसुंधरा राजे, शिवराज सिंह चौहान, योगी आदित्यनाथ, विजय रूपाणी, मनोहर खट्टर, प्रकाश जावड़ेकर, उमा भारती, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल प्रमुख प्रचारक रहे।

ये फिल्मी सितारे उतरे थे प्रचार में

साल 2013 व 2018 में भाजपा ने मशहूर फिल्मी हस्तियों में धर्मेंद्र, हेमामालिनी, मुकेश खन्ना, सन्नी देओल, शत्रुघ्न सिन्हा, भोजपुरी गायक व अभिनेता मनोज तिवारी, कंगना रानौत, माही गिल,नवजोत सिंह सिध्धू, पुनीत इस्सर सहित 20 से ज्यादा छोटे-बड़े कलाकारों को प्रचार के लिए मैदान में उतारा था।

2023 में दोनों ही दलों ने फिल्मी हस्तियों से किया किनारा

इस साल के चुनावों में जहां भाजपा के सबसे बड़े चेहरे व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही पूरी कमान संभाली। इनके अलावा पार्टी में विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों सहित प्रमुख नेताओं ने रोड शो व प्रचार किया। पुनीत इस्सर, राजबब्बर व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ही राजस्थान आए, ये भी पार्टी से जुड़े होने की वजह से, ना कि स्टार होने के कारण। कांग्रेस पार्टी की बात की जाए तो इस बार राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत और सचिन पायलट, डोटासरा आदि ने कमान संभाली। किसी बड़ी फिल्मी हस्ती को प्रचार के लिए नहीं बुलाया गया।

एग्जिट पोल पर बोले मुख्यमंत्री

राजस्थान सहित पांचों राज्यों में भाजपा हारेगी: गहलोत

बेधड़क | नई दिल्ली

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को कहा कि एग्जिट पोल में कुछ भी आंकड़े दिखाए जाएं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि भाजपा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में हारने वाली है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट करने का आरोप लगाया तथा कहा कि आने वाले समय में भाजपा के भीतर 'समझदार लोग' विद्रोह करेंगे।

यहां सरकार के खिलाफ माहौल नहीं

एग्जिट पोल से जुड़े सवाल पर गहलोत ने कहा, 'एग्जिट पोल कुछ भी आए, सटोरिए कुछ भी कह दें, मुझे लगता है कि राजस्थान में कांग्रेस जीतेगी। पांच राज्यों में भाजपा कहीं नहीं जीत रही है। उनका कहना था, 'हमारी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल नहीं है। मुख्यमंत्री के बारे में सबकी एक राय है, यहां तक कि भाजपा का वोटर भी कहेगा कि मुख्यमंत्री ने काम करने में कोई कमी नहीं रखी है।'

भाजपा की राजस्थान में योजना विफल

गहलोत ने आरोप लगाया, 'प्रधानमंत्री, गृह मंत्री ने डराने वाली, तनाव पैदा करने वाली भाषा बोली। ये लोग हमारी सरकार गिराने में विफल रहे। इसलिए उन्होंने यह योजना बनाई कि किसी भी तरह से राजस्थान में कांग्रेस की सरकार फिर नहीं बनने देना है।' भाजपा का यह प्रयास विफल होगा।

भाजपा को मिलेगा स्पष्ट बहुमत: राठौड़

राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि एग्जिट पोल महज एक अनुमान है। अनुमान सही सटीक हो इसकी संभावनाएं शत प्रतिशत नहीं होती है। लेकिन एक अनुमान जरूर है कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगी। सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ अंडर करंट है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव एग्जिट पोल- 2023 सीटें: 199/बहुमत: 100

एजेंसी	कांग्रेस	भाजपा	अन्य
आज तक एक्सिस	86-106	80-100	9-18
एबीपी सी वोटर	71-91	94-114	9-19
न्यूज़ 24 टुडेज चाणक्या	101	89	9
जन की बात	62-85	100-122	14-15
टीवी 9 पोलस्ट्रैंट	90-100	100-110	5-15
टाइम्स नाउ ईटीजी	56-72	108-128	13-21
पी मार्क रिपब्लिक	69-81	105-125	5-15
इंडिया टीवी सीएनएक्स	94-104	80-90	14-18
रिपब्लिक मैट्रिज़	65-75	115-130	12-19
दैनिक भास्कर	85-95	98-105	10-15

सीएम के लिए पसंद

गहलोत 32%

बालकनाथ 9%

10 एग्जिट पोल के अनुमानों में बीजेपी को बढ़त

5 में बीजेपी, 3 में कांग्रेस... 2 में टक्कर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के गुरुवार को जारी 10 प्रमुख एग्जिट पोल्स में से तीन कांग्रेस की सरकार का अनुमान है, वहीं दो टक्कर मान रहे हैं, तो शेष पांच भाजपा की जीत की संभावना बता रहे हैं। जो एग्जिट पोल कांग्रेस को ऐज दे रहे हैं, उनमें आजतक एक्सिस माय इंडिया, इंडिया टीवी-सीएनएक्स व न्यूज 24-चाणक्य हैं। करीबी मुकाबला बताने वाले टीवी9-पोल स्ट्रैट व भास्कर हैं। बता दें, एग्जिट पोल में 5 से 10% ऊपर नीचे होने की संभावना रहती है।

आज तक... सीएम चेहरा नं. वन हैं गहलोत

राजस्थान में आजतक एक्सिस माय इंडिया के आंकड़ों के अनुसार सीएम पद के चेहरे के लिए अशोक गहलोत नंबर वन चॉइस हैं। इस सर्वे के लिए जिन लोगों से बात की गई है उनमें से 32 फीसदी लोग अशोक गहलोत को सीएम के रूप में देखना चाहते हैं। जबकि आश्चर्यजनक रूप से दूसरे स्थान पर महंत बालकनाथ 10 फीसदी लोगों की पसंद है।

एसीबी इन एक्शन

एक्सईएन की पत्नी और बेटे की भी आय से 166% अधिक संपत्ति

- पत्नी व बेटे के नाम से भी एक्सईएन ने खरीद रखी है करोड़ों की प्रॉपर्टी
- ब्यूरो को जांच में मिले 29 आवासीय व कृषि भूमि के दस्तावेज
- सर्च में मीणा के घर से मिले थे 32 हजार रुपए व 22 लाख का गोल्ड

बेधड़क | जयपुर

कोटा के बड़े-बड़े प्रोजेक्टों के कामकाज की जिम्मेदारी संभालने वाले एक्सईएन ने पत्नी व बेटे के नाम से भी करोड़ों रुपए के प्रॉपर्टी खरीद रखी है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सर्च की कार्रवाई के दौरान ये तथ्य सामने आने पर आरोपी एक्सईएन कमल मीणा, उसकी पत्नी रंजना मीणा और बेटे विकास मीणा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज कर लिया है। एसीबी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कमल मीणा की आय से करीब 166 फीसदी से ज्यादा संपत्तियां मिली हैं। इनमें 29 आवासीय व कृषि भूमि के दस्तावेज मिले हैं। ये सभी कोटा व केशवराय पाटन बूंदी में है।

एक्सईएन कमल मीणा

7.54 करोड़ की अधिक आय

अब एसीबी तमाम प्रॉपर्टीज के जांच कर रही है। ब्यूरो को प्रारंभिक जांच के दौरान कमल मीणा के घर पर मिले दस्तावेजों से करीब 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियों का पता चला है। वहीं, उसके नौकरी जॉइनिंग से अब तक करीब 1.29 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्चा हुआ है। इस अवधि में दस्तावेजों से सामने आया कि कमल मीणा, पत्नी रंजना व बेटे की कुल संपत्तियां आदि मिलाकर देखने पर आय करीब 12 करोड़ रुपए सामने आई, जबकि हकीकत में कमल मीणा व उसके परिवार की इस अवधि में आय 4.53 करोड़ रुपए ही है। यानी कमल मीणा की 7.54 करोड़ रुपए से ज्यादा का आय वास्तविक इनकम से अधिक पाई गई है।

राज्य कृषि विपणन बोर्ड से प्रतिनियुक्ति पर

एसीबी की जांच में सामने आया कि कमल मीणा की सर्विस सहायक अभियंता राज्य कृषि विपणन बोर्ड में थी, लेकिन लंबे समय से मीणा ने सांठगांठ करके यूआईटी कोटा में प्रतिनियुक्ति पर पोस्टिंग करा ली। इसके साथ ही कोटा शहर में होने वाले सभी बड़े-बड़े प्रोजेक्टों की कमान खुद के पास में ले ली। गौरतलब है कि एसीबी ने कमल मीणा के घर, ऑफिस व हॉस्टल में आय से अधिक संपत्ति होने की शिकायत पर सर्च की कार्रवाई की थी। सर्च के दौरान एसीबी को मीणा के घर से 32 हजार 110 रुपए की नकदी, 22 लाख का गोल्ड व परिजनों के नाम से अलग-अलग जगहों पर 29 आवासीय व कृषि भूखंडों के दस्तावेज मिले हैं।

जरूरी खबर

लोकसभा चुनावों की तैयारियों में जुटेगी NSUI

बेधडक,जयपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की मासिक बैठक का आयोजन गुरुवार को किया गया। संगठन की मासिक बैठक में प्रदेशभर से सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस पार्टी के झोटवाड़ा विधानसभा से प्रत्याशी तथा एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने की। अभिषेक चौधरी ने बताया विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद दिसंबर माह में ही हम लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर देंगे। इसके लिए दिसंबर माह में ही विभिन्न जिलों में बड़े छात्र सम्मेलन आयोजित करेंगे।

चुनाव कर्मियों को दिया मतगणना का प्रशिक्षण

बेधड़क, जयपुर। विधानसभा चुनाव के रविवार को आने वाले परिणाम को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय मतगणना की आवश्यक व्यवस्थाओं एवं इंतजामों को अंतिम रूप देने में जुटा है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि मतगणना कार्य संपादन के लिए गुरुवार को मतगणना के लिए नियोजित कार्मिकों को बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम एवं इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (तृतीय) अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि बीएम बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में एक हजार 600 से ज्यादा मतगणना कार्मिकों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दो पारियों में प्रशिक्षण दिया गया।

सेवानिवृत्ति पर शर्मा को दी भावभीनी विदाई

बेधड़क, जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक महेशचन्द्र शर्मा को सेवानिवृत्ति पर गुरुवार को भावभीनी विदाई दी गई। विभाग के निदेशक पुरूषोत्तम शर्मा ने महेशचन्द्र शर्मा को साफा व माला पहनाकर और मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित किया। निदेशक शर्मा ने महेशचन्द्र शर्मा को अनुशासित और कार्यकुशल अधिकारी बताते हुए कहा कि वे राजकीय सेवा काल में सदैव मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के रहे। इस अवसर पर विभाग के वित्तीय सलाहकार सुभाष दानोदिया, अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना, उपनिदेशक नर्मदा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

36 मतगणना केंद्रों पर 4,245 राउंड में होगा हार-जीत का फैसला, चाक-चौबंद रहेगी व्यवस्था

तीन को खुलेगा प्रत्याशियों के भाग्य का ताला, धड़कनें तेज

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के परिणाम तीन दिसम्बर को आए रहे है। ऐसे में लोकतंत्र के मंदिर में जाने के लिए भाग्य आजमा रहे सभी प्रत्याशियों की धड़कने भी तेज होने लग गई है। वहीं वोटिंग की गणना के लिए चुनाव आयोग की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। तीन दिसम्बर को 199 सीटों के लिए मतगणना होगी। जिला मुख्यालय पर जिले की विधानसभा की वोटों की काउंटिंग की जाएगी। सबसे पहले रिजल्ट अजमेर जिले की दक्षिण सीट का आ सकता है, जबकि सबसे देरी से रिजल्ट बाड़मेर की शिव सीट पर आने की संभावना है।

शिव में 41 तो अजमेर दक्षिण में होगे 14 राउंड

विभाग ने 2524 टेबल लगाई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधानसभा चुनाव में 199 सीटों के लिए 51 हजार 890 मतदान केन्द्रों पर डाले गए मतों की गणना के लिए 36 मतगणना केन्द्रों पर 2524 टेबल लगाई गई है। इनमें कुल 4245 राउंड में मतों की गिनती का कार्य पूरा होगा। मतगणना प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा इंतजामों के अंतर्गत केन्द्रीय पुलिस बल और आरएएसी की व्यापक तैनाती की जाएगी। मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए त्रि-स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है ताकि मतगणना स्थल पर किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं आए। तीन दिसम्बर को सुबह 8 बजे से सभी केंद्रों पर पोस्टल बैलेट और 8.30 बजे से ईवीएम के माध्यम से मतगणना आरंभ हो जाएगी। 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सभी 36 केंद्रों पर मतगणना के लिए 1121 एआरओ की ड्यूटी लगाई गई है। जयपुर, जोधपुर एवं नागौर में दो-दो केंद्रों पर और शेष 30 निर्वाचन जिलों में एक-एक केंद्र पर वोटों की गिनती की जाएगी।

केंद्र की 40 और प्रदेश की 36 कंपनियां तैनात

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए मतगणना केंद्रों पर माकूल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। केन्द्रीय पुलिस बलों की 40 कम्पनियां ईवीएम की सुरक्षा के लिए और आरएसी की 36 कम्पनियां मतगणना केन्द्रों पर तैनात रहेंगी। आरएएसी की 99 कम्पनियां विभिन्न जिलों में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर तैनात की जाएगी। इन चुनावों में कुल 4 लाख 36 हजार 664 मतदाताओं ने पोस्टल बैलट का उपयोग किया है, जिसमें से 80 वर्ष से अधिक उम्र के 49 हजार 365, दिव्यांग श्रेणी के 11 हजार 656 एवं आवश्यक सेवाओं के 4 हजार 427 तथा मतदान प्रक्रिया में जुटे 3 लाख 71 हजार 166 मतदाता शामिल है।

कोटा में एक और विद्यार्थी ने फंदे से झूलकर दी जान

आखिर क्यों बुझ रहे हैं रोशन होने से पहले घरों के चिराग

- वही संस्थान, वही टीचिंग फिर वहां आत्महत्या क्यों
- जयपुर में बड़ी संख्या में बाहर के स्टूडेंट, लेकिन माहौल अलग

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शिक्षा नगरी कहे जाने शहर कोटा में कई घरों के चिराग रोशनी फैलाने से पहले ही बुझ रहे हैं। कोटा में लगातार बढ़ रहे आत्महत्याओं के मामले को लेकर माफिया का रूप ले चुकी कोचिंगों के सामने सरकार और प्रशासन बौना साबित हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फरवरी से अब तक करीब 28 स्टूडेंट्स के सुसाइड के मामलों में एक भी कोचिंग संचालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना दर्शाता है कि किस प्रकार स्थानीय प्रशासन पर कोचिंग माफिया हावी हो चुके हैं।

बुधवार देर रात को उत्तर प्रदेश के औरैया की रहने वाली छात्रा ने महावीर नगर इलाके के प्राइवेट हॉस्टल में सुसाइड कर दिया। शिक्षा नगरी में कोटा के बाद प्रदेश में नीट और इंजीयनियरिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स जयपुर में भी अध्ययन करते हैं। जयपुर में पिछले एक साल में किसी भी स्टूडेंट् का तनाव में आकर सुसाइड का मामला सामने नहीं आया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जयपुर और कोटा में एक जैसे परिवेश के बावजूद भी सुसाइड करने के मामले कोटा अव्वल है।

दवाब के चलते स्टूडेंट्स में बढ़ रहा तनाव

प्रदेश की राजधानी और शिक्षा नगरी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स में एक ही परीक्षा के अलग-अलग सिलेबस से तैयारी करवाई जाती है। कोटा में अधिक स्टूडेंट्स होने के कारण कम समय में पूरी तैयारी करने के दबाव में कोचिंगों में बिना छुट्टी रखे और एक दिन में अधिक कोचिंग कक्षाएं होने से स्टूडेंट्स तनाव का शिकार हो जाते हैं। अधिकतर मामलों में देखा गया है कि रविवार के टेस्ट के बाद कम नंबर आने के से स्टूडेंट्स आत्महत्या कर लेता है। यही सबसे बड़ा कारण है कि कोटा में स्टूडेंट्स के सुसाइड के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बुधवार देर रात को हुए सुसाइड के मामले में छात्रा अवसाद में होने के बावजूद भी कोचिंग संचालकों ने स्टूडेंस्ट के परिजनों से संपर्क नहीं किया। वहीं कोचिंग संचालकों ने पुलिस विभाग को भी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में गुरुवार को जिला कलेक्टर महावीर प्रसाद मीणा ने कोचिंग इंस्टीट्यूट को नोटिस दिया है। नोटिस में लिखा है कि 12 नवंबर की काउंसिलिंग में पता लग गया था कि छात्र अवसाद में है। इसकी काउंसिलिंग संस्थान द्वारा की जा रही थी। इसके बावजूद संस्थान ने इसकी सूचना प्रशासन को नहीं दी।

जयपुर की बजाय कोटा में अधिक पीजी

कोटा ने नीट और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स प्रदेश सहित अन्य राज्यों के भी होते हैं। लेकिन जयपुर में अधिकतर स्टूडेंट्स स्थानीय निवासी और प्रदेश के ही होते है। ऐसे में परिवार के साथ रहने के कारण इनमें तनाव कम होता हैं। गौरतलब है कि कोटा में 35,00 से अधिक हॉस्टल रजिस्टर्ड है। अलग-अलग इलाकों के हिसाब से हॉस्टल्स की अपनी एसोसिएशन बनी हुई है। इसके अलावा कोटा में 40 हजार से ज्यादा पीजी चल रहे हैं। जिनमें एक से लेकर कई कमरों के पीजी शामिल है। यह रजिस्टर्ड भी नहीं है। इनके अलावा कई कॉलोनियों में स्टूडेंट किराए के घरों में रह रहे हैं। ऐसे में इतने ज्यादा पीजी और हॉस्टल्स की जानकारी और निगरानी रखना भी प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर का काम है।

कमेटी ने रिपोर्ट में बताए कारण

आत्महत्याओं को लेकर अक्टूबर में सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी को आत्महत्या के कारणों का पता लगाना था। कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ और अच्छी रैंक लाने का प्रेशर, कोचिंग के प्रैक्टिस टेस्ट में अच्छा परफॉर्म न कर पाने से होने वाली निराशा, बच्चों की योग्यता, रूचि और क्षमता से ज्यादा पढ़ाई का बोझ और पेरेंट्स की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रेशर, टीनएज में होने वाले मानसिक और शारीरिक बदलाव, परिवार से दूर रहना, काउंसिलिंग और सपोर्ट सिस्टम का अभाव सहित कई कारण हैं जो सुसाइड का आधार बन रहे हैं।

बीमा लोकपाल से मिल रही राहत

बीमा से जुड़ी शिकायतें 40 प्रतिशत तक बढ़ी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में कोविड के बाद बीमा कंपनियों और बीमा धारक व्यक्ति के बीच शिकायतों में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं राजस्थान बीमा लोकपाल में पिछले 2 सालों के दौरान रिकॉर्ड स्तर पर शिकायतों को डिस्बर्स किया है। इस संबंध में बीमा लोकपाल राजीव दत्त शर्मा ने गुरूवार को जानकारी शेयर की।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां कुल 1406 के करीब शिकायतें बीमा लोकपाल को प्राप्त हुई। वहीं वितीय वर्ष 2022-23 में 1911 से ज्यादा शिकायतें प्राप्त हुई है। इनमें से 41 प्रतिशत से अधिक शिकायतें स्वास्थ्य बीमा की हैं। वहीं समान्य बीमा कि 28.8 प्रतिशत तथा जीवन बीमा कि 31.6 प्रतिशत से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

उन्होंने बताया कि बीमा का पैसा या सुविधा नहीं मिलने पर बीमा लोकपाल के पास पीड़ित बीमित व्यक्ति की शिकायत का समाधान निःशुल्क किया जाता है। इसके साथ ही शिकायत का एक ही सुनवाई में निस्तारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि जयपुर केंद्र के लिए पिछले दो सालों से शिकायतों का डिस्बर्स 100% रहा। राजस्थान के बीमा लोकपाल राजीव दत्त शर्मा ने बताया कि कोविड पीरियड खत्म होने के बाद बीमित व्यक्तियों की शिकायतों में काफी वृद्धि हुई है, और बीमा कंपनियों के खिलाफ अपनी शिकायतों के साथ बहुत सारे बीमित बीमा लोकपाल के पास पहुंचे हैं। इन अधिकतर मामलों में बीमित व्यक्ति को बीमा लोकपाल की ओर से राहत दी गई, जिससे बीमा लोकपाल के बारे में जागरूकता आम लोगों तक पहुंची। शर्मा ने बताया कि खासकर कोविड मामलों में बीमा कंपनियों ने जिस बीमित को क्लेम देने से मना कर दिया था, उनको राहत पहुंचने का कार्य बीमा लोकपाल की ओर से राजस्थान में किया गया।

बीमा कंपनी में भी कर सकते हैं शिकायत

उन्होंने आगे बताया कि वैसे तो प्रत्येक बीमा कंपनी की आन्तरिक व्यवस्था के अंतर्गत शिकायत निवारण का प्रावधान है। कई ग्राहक बीमा कंपनी के निर्णय से असंतुष्ट रह जाते हैं, ऐसे सभी ग्राहकों की शिकायतों के तुरंत और निःशुल्क निवारण के लिए बीमा लोकपाल कार्यालय तत्पर है। यह मंच बीमा ग्राहकों को यह सन्देश देना चाहता है कि व्यक्ति के जीवन में बीमा एक महत्वपूर्ण व उपयोगी माध्यम है, जो अनिश्चित जोखिम की स्थिति में समुचित आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है।

विशेष प्रशिक्षण और इंडक्शन ट्रेनिंग सेशन होंगे आयोजित

टीचर्स ट्रेनिंग की गुणवत्ता पर फोकस

बेधड़क | अजमेर

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को 'क्वालिटी एजुकेशन' के लिए शिक्षक प्रशिक्षणों में इनोवेटिव एप्रोच को अपनाते हुए टीचर्स ट्रेनिंग की गुणवत्ता पर फोकस किया जाएगा।

इसके तहत आने वाले दिनों में राज्य में टीचर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण, रिफ्रेशर कोर्स एवं इंडक्शन ट्रेनिंग सेशन समयबद्ध रूप से आयोजित होंगे। यह बात स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने गुरुवार को जयपुर में आयोजित दो दिवसीय राजस्थान एजुकेशन रीट्रीट वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहीं। इस विशेष कार्यशाला में स्कूल शिक्षा विभाग के मासिक वेबिनार बात आपकी हमारी और राजस्थान के शिक्षक सितारे कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अपने शैक्षिक नवाचारों के लिए चयनित शिक्षक सितारों के साथ सरकारी स्कूलों अलग-अलग समूहों में शिक्षा अधिकारियों और शिक्षाविदों द्वारा 'क्वालिटी एजुकेशन' कांसेप्ट' पर मंथन किया जा रहा है। शासन सचिव जैन ने कहा कि सरकारी स्कूलों में क्वालिटी एजुकेशन के लिए टीचर्स ट्रेनिंग की दिशा में 'इनोवेटिव एप्रोच' के साथ प्लानिंग जरूरी है।

उन्होंने कार्यशाला में भाग ले रहे शिक्षक सितारों को मोटिवेट करते हुए कहा कि वे खुलकर अपने आइडियाज शेयर करे, जिससे यहां क्रिएट होने वाली एनर्जी का अधिकतम सदुपयोग करते हुए प्रदेश में शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

राज्यपाल मिश्र से CM गहलोत की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। इसे सामान्य शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है, लेकिन सियासी गलियारों में इस मुलाकात के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

परिणाम से पहले नेताओं की बयानबाजी

कांग्रेस-बीजेपी नेताओं के अपने-अपने दावे, परिणाम से खुल जाएंगे पत्ते

बेधड़क | जयपुर

तीन दिसंबर को राजस्थान में किसकी सरकार बनेगी यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन इस बीच पार्टी के नेता अपने-अपने बहुमत के दावे कर जनता में सुर्खियां जरूर बटोर रहे हैं। पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार जीत के दावे कर रहे थे।

अब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने भी दावा किया है कि सीएम गहलोत के बयानों में निराश झलक रही है। मतदान से पहले 156 प्लस की बात कर रहे थे, लेकिन अब वो 80-90 पर आ गए हैं। खैर, मतगणना होने दीजिए ये 50 से भी कम सीटों पर सिमटने वाले हैं। जोशी ने कहा, 135 प्लस भाजपा की सीटें आ रही हैं। एक तिहाई बहुमत से राज्य में भाजपा की सरकार बनने का दावा कर रहा हूं।

वोटिंग प्रतिशत हमारे लोगों ने बढ़ाया

सिविल लाईंस से प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि वोटिंग परसेंटेज हमारे लोगों ने बढ़ाया है। जिसको आरजीएचएस मिल रही, चिरंजीवी योजना योजना मिल रही है, जिसको ओल्ड पेंशन मिल रही है। इसलिए प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

3 तारीख को नतीजे भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में

झोटवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस एक्जिट पोल देखकर खुश हो रही है। अभी तो असली मतगणना बाकी है। जब तीन तारीख को नतीजे आएंगें वो पूरा परिणाम भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में होगा।

रामराज्य की सरकार बन सकेगी

हवामहल से भाजपा प्रत्याशी बालमुकुंद आचार्य ने दावा किया है कि सरकार कमल की बनेगी, भाजपा की सरकार बनेगी। पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। रामराज्य की सरकार बन सकेगी। पांच साल जिस प्रकार कांग्रेस की रीति नीति रही। युवाओं का भविष्य बर्बाद किया गया। 25 तारीख को गहलोत सरकार का डिलीट बटन दब चुका है। अब 3 तारीख को कमल खिलेगा।

कांग्रेस को मिलेगा फायदा: बुड़ानिया

तारानगर से कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र बुड़ानिया ने कहा कि अगर एंटीइनकमबेंसी होती तब वोटिंग प्रतिशत बढ़ने का कुछ फर्क पड़ता। राजस्थान में तो ऐसा कुछ था ही नहीं। इसलिए वोटिंग प्रतिशत बढ़ने का फायदा कांग्रेस को मिलेगा। चुनाव में महिला, युवा, कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर पोलिंग की है। इसलिए कांग्रेस की सरकार बनेगी।

भाजपा कार्यालय में काउंटिंग एजेंट की बैठक

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने विधानसभा चुनाव की तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना के मद्देनजर गुरुवार को यहां पार्टी के जयपुर काउंटिंग एजेंटों की बैठक ली। जोशी ने जयपुर की काउंटिंग एजेंट को मतगणना के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जरूरी खबर

8 बीघा कृषि भूमि बनी 5 कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब आठ बीघा कृषि भूमि पर तीन अवैध कॉलोनी, मंदिरमाफी की करीब छह बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी और जोन-13 निजी खातेदारी करीब पांच बीघा कृषि भूमि पर बन रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-12 में नीमड़ा, बिंदायका में करीब चार बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर मारुति नगर डीके नाम से अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। उसे ध्वस्त किया। जोन-12 में ही बिन्दायका से भूताली वाली रोड पर दो बीघा कृषि भूमि पर बनाई इंदिरा विहार कॉलोनी को भी ध्वस्त कर दिया। चकबासड़ी में मंदिर माफी की भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण को भी मुक्त कराया गया।

चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी (क्राइम ब्रांच) टीम ने शिवदासपुरा और प्रताप नगर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो लैपटॉप बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस टीम ने प्रताप नगर में कार्रवाई कर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक बालअपचारी को भी निरुद्ध किया है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस की सीएसटी टीम ने शिवदासपुरा थाना पुलिस के सहयोग से भरत विहार जामड़ोली आगरा रोड के साहिल शर्मा और संगम विहार वजीराबाद दिल्ली के मोहम्मद सारीफ को गिरफ्तार कर उनसे दो लैपटॉप बरामद किए। इसी तरह प्रताप नगर में फाल्यावास कानोता निवासी रामलाल उर्फ राधे को गिरफ्तार कर उससे दो बाइक बरामद की।

राजधानी में मौसम का बदला मिजाज, हल्की धूप निकली तो 3 डिग्री चढ़ा पारा

ठंड में डूबी धुंधली सुबह, दिन में छंटे बादल तो मिली राहत

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में गुरुवार को मौसम का अलग ही मिजाज दिखा। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे कुछ स्थानों पर विजीबिलिटी कम रही। दोपहर में निकली हल्की धूप से लोगों को सर्दी से राहत मिली। गुरुवार को राजधानी जयपुर का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री रहा जो बुधवार के मुकाबले करीब 3 डिग्री की उछाल पर रहा। अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 2 से 3 दिनों में कोहरा हटने व मौसम साफ होते ही सर्दी बढ़ेगी। ठंडी हवाओं के चलने की भी संभावना है।

फोटो: पंकज शर्मा

शहर के इन इलाकों में छाया कोहरा

शहर के सिरसी रोड, कालवाड रोड, वैशाली नगर, झोटवाड़ा, मुरलीपुरा, जगतपुरा, सांगानेर, परकोटा, गोपालपुरा, सोडाला व प्रतापनगर में अलसुबह घना कोहरा रहा। दुकानों के बाहर लोग अलाव जलाकर सर्दी से बचाव करते नजर आए। सर्दी से बचाव के लिए लोगों के खान पान में बदलाव देखने को मिला है। गजक,रेवड़ी, तिलपट्टी व मूंगफली की दूकानों पर लोग खरीदारी करते दिखे। इसके अलावा गर्म कपड़ों की दुकानो पर भी ऊनी कपड़ों को खरीदने वालों की अच्छी खासी तादात रही।

आगामी दिनों में ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग की मानें तो आगामी दिनों में राजधानी का मौसम में बदलाव देखने को मिलेंगे। तापमान में 2 से 3 डिग्री नीचले स्तर पर आ सकता है। मौसम साफ होने के साथ ही सर्दी का असर धीरे-धीरे बढ़ेगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर 1 दिसंबर को खत्म हो जाएगा। इसके बाद उत्तर भारत से बर्फीली हवा आनी शुरू होगी।

दो माह से खाली चल रही है महापौर की कुर्सी

प्रदेश के साथ ही हेरिटेज निगम को भी मिल जाएगा नया मुखिया

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश का नया मुखिया कौन होगा, ये तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद तय हो जाएगा। इसके साथ ही पिछले दो माह से हेरिटेज निगम महापौर की खाली पड़ी कुर्सी भी भर जाएगी।

दरअसल हेरिटेज नगर निगम के सियासी समीकरण विधानसभा चुनाव के बाद बदलने की संभावना है। दो माह से अधिक का समय हो चुका, हेरिटेज नगर निगम की सत्ता बिना महापौर के चल रही है। इस कुर्सी पर कौन बैठेगा, इसका फैसला विधानसभा चुनाव के नतीजे ही तय करेंगे। क्योंकि, 22 सितम्बर को महापौर पद से राज्य सरकार मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर चुकी है। हालांकि मुनेश का कहना है कि उन्हें अदालत से पूरी उम्मीद है कि फैसला उनके हक में आएगा। इस बीच हेरिटेज निगम में सारे काम आयुक्त कार्यालय से ही चल रहे हैं और महापौर कार्यालय पर ताला लटका हुआ है।

ये समीकरण बनने की संभावना

कांग्रेस परकोटे से जुड़ी एक विधानसभा के विधायक और मंत्री का पहले मुनेश को लगातार समर्थन मिल रहा था। उनकी टिकट कटने के बाद वे अब चुप हैं और वे सीधे तौर पर मुनेश की पैरवी करने से बचेंगे। वहीं, अन्य तीन विधायक मुस्लिम चेहरे की वकालत लगातार करते रहे हैं। ऐसे में मुनेश गुर्जर के फिर से महापौर बनने पर संकट खड़ा हो गया है। मुस्लिम समुदाय से तीन महिला पार्षद महापौर पद के लिए लगातार लॉबिंग भी कर रही है। यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो बोर्ड पर संकट आना तय है। भाजपा अपना महापौर बनाने की जुगत में लगेगी, क्योंकि स्पष्ट बहुमत कांग्रेस के पास भी नहीं है और दल बदल कानून भी निगम में लागू नहीं होता। समितियों का गठन नहीं होने से कांग्रेस और निर्दलीय पार्षदों ने नाराजगी है और इसी का फायदा भाजपा उठाने की कोशिश करेगी।

विवादों में रही महापौर की कुर्सी

हैरिटेज निगम में भले ही कांग्रेस ने सरकार बनाई हो, लेकिन महापौर की कुर्सी हमेशा ही सियासी समर में फंसी रही। कभी विधायक अपने महापौर के खिलाफ मुखर हुए तो कभी पार्षदों ने विरोध किया। रही सही कसर चार अगस्त को एसीबी की कार्रवाई ने पूरी कर दी। एसीबी की कार्रवाई के बाद पांच अगस्त को राज्य सरकार ने मुनेश को महापौर और पार्षद पद से कर निलंबित कर दिया। 23 अगस्त को मुनेश गुर्जर को कोर्ट से राहत मिली और राज्य सरकार के फैसले पर रोक लगा दी और मुनेश महापौर की कुर्सी पर बैठ गईं। एक सितम्बर को राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर को निलंबित करने का फैसला वापस ले लिया और 22 सितम्बर को फिर निलंबित कर दिया।

सत्ता की चाबी किसी को भी मिले, परकोटे को मिलेगा नया महापौर

प्रदेश में सरकार रिपीट होगी या बदलेगी, ये तो अभी भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है, लेकिन हेरिटेज निगम में नया महापौर मिलना तय है। निलंबित महापौर मुनेश गुर्जर को कोर्ट से अभी तक राहत नहीं मिली है। वहीं, सरकार भी मुनेश का महापौर बनाने के पक्ष में नहीं दिख रही है। हाल ही हुए विधानसभा चुनावों में भी मुनेश सक्रिय दिखाई नही दी, ना तो मुनेश ने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार किया, ना ही कांग्रेस पार्टी ने उन्हें कोई जिम्मेदारी सौंपी। ऐसे में अगर कांग्रेस सत्ता में वापस आती है तो उन्हें महापौर की जिम्मेदारी देने से बचेगी। वहीं, अगर भाजपा सत्तारूढ हो गई तो भी समीकरण उनके खिलाफ ही बनेंगे।

शास्त्रीनगर इलाके में हादसा

मामा से मिलकर आ रहे युवक को कार ने रौंदा

बेधड़क | जयपुर

शास्त्री नगर इलाके में ओवर स्पीड कार ने एक युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। टक्कर लगने से युवक कार के बोनट पर गिरने से गम्भीर रूप से घायल हो गया था। एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शास्त्री नगर थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में संजय नगर भट्टा बस्ती निवासी मोहम्मद माजिद (21) की मौत हो गई। माजिद एक शोरूम पर जॉब करता था। बुधवार रात मामा की तबीयत खराब होने पर माजिद दोस्त सैफ अली और अभय जांगिड़ के साथ उनसे मिलने गया था। रात करीब 3:30 बजे तीनों पुराना जालूपुरा से पैदल घर लौट रहे थे। रास्ते में रॉयल स्वीट के पास मेजर शैतान सिंह कॉलोनी के सामने खड़े होकर तीनों बात करने लगे। इसी दौरान साइंस पार्क की तरफ से आई ओवर स्पीड कार ने माजिद को टक्कर मार दी। माजिद कार के बोट पर गिर गया। इस दौरान ड्राइवर का कार से कंट्रोल छूट गया और कार एक मकान की दीवार से टकरा गई। कार और दीवार के बीच में फंसने से माजिद की मौत हो गई। पुलिस ने कार को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

दो ट्रेनों के स्टेशन में बदलाव

जयपुर। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल पर ऋषिकेश यार्ड में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 5 से 12 तक श्रीगंगानगर-ऋषिकेश-श्रीगंगानगर एवं बाड़मेर-ऋषिकेश- बाड़मेर रेलसेवा ऋषिकेश के स्थान पर योगनगरी ऋषिकेश से प्रस्थान व आगमन करेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार गाड़ी संख्या 14815/14816, श्रीगंगानगर-ऋषिकेश-श्रीगंगानगर रेलसेवा ऋषिकेश के स्थान पर योगनगरी ऋषिकेश से प्रस्थान/आगमन करेगी। गाड़ी संख्या 14888/14887, बाड़मेर-ऋषिकेश- बाड़मेर-रेलसेवा-बाड़मेर से 4 से 11 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली एवं ऋषिकेश से 5 दिसंबर से 12 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली ऋषिकेश के स्थान पर योगनगरी ऋषिकेश से प्रस्थान व आगमन करेगी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

एबीवीपी को रिलीफ कैंपों में मिला समर्थन

भारत अध्ययन यात्रा में छात्रों से संवाद

बेधड़क | जयपुर

भारत की राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूत बनाने और भारत को भारत बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पूर्वोत्तर भारत अध्ययन यात्रा सम्पन्न हुई।

पूर्वोत्तर भारत के अध्ययन के लिए यात्रा की शुरुआत युवा विकास केंद्र में प्रशिक्षण के साथ शुरू हुई थी। परिषद के प्रतिनिधि ने बताया कि इस दौरान मणिपुर में हो रही हिंसा के कारण मणिपुर जाने वाले सभी प्रतिनिधियों के मन में एक भय था कि मणिपुर में किस प्रकार के हालात में रहेंगे, लेकिन आठ प्रतिनिधियों का दल मणिपुर में में अपनी यात्रा सफलतापूर्वक की। 15 दिन की इस पूर्वोत्तर अध्ययन यात्रा में इंफाल में एनआइटी, आइआइआइटी, नेशनल खेल विश्वविद्यालय समेत दर्जनों शिक्षण संस्थान में छात्र-छात्राओं से संवाद का अवसर मिला। ऐसे में पूर्वोत्तर के छात्र-छात्राएं सील और विद्यार्थी परिषद के माध्यम से जुड़ राष्ट्र कार्य करने के लिए उत्सुक हुए हैं। इन शिक्षण संस्थानों में सैकड़ों विद्यार्थियों ने विद्यार्थी परिषद की सदस्यता ली, वहीं रिलीफ कैंपों में भी परिषद को समर्थन मिला।

तिहरा हत्याकांड : पुलिस ने 12 घंटे में की आरोपी की पहचान

पड़ोसी ने ही मारा था मां और बेटों को

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के मालवीय नगर थाना इलाके में दिन दहाड़े महिला और दो मासूम बच्चों की हत्या करने वाले आरोपी की पुलिस ने पहचान कर ली है। मृतका के पड़ोसी शिव प्रताप सिंह ने ही इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया था। मालवीय नगर थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि आरोपी मृतका के सामने वाले मकान में ही रहता है। शिव प्रताप की मृतका के पति लक्ष्मण सिंह बिष्ट से कुछ दिन पहले नाली के पानी और पार्किंग को लेकर कहासुनी हो गई थी। तभी से आरोपी लक्ष्मण और उसकी पत्नी को सबक सिखाने की प्लानिंग बना रहा था। बुधवार शाम आरोपी ने मौका देख लक्ष्मण सिंह की पत्नी सुमन (23), मासूम बेटे जिव्यांश (5) और हव्यांश (2) की निर्मम हत्या कर दी।

पुलिस आरोपी को तलाश रही है। थानाधिकारी ने बताया कि शिव प्रताप ने सत्कार शॉपिंग सेंटर स्थित एक दुकान से वारदात वाले दिन ही चाकू खरीदा था। ऐसे में वारदात के बाद पुलिस आस-पास में जांच कर रही थी। तभी एक दुकानदार ने चाकू खरीदने वाली बात पुलिस को बताई। इस पर पुलिस तुंरत हरकत में आई और मृतका के परिजन और पड़ोसियों से फुटेज की पहचान कराई। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

घटना के दूसरे दिन भाजपा नेता कालीचरण सराफ भी मालवीय नगर थाने पहुंच गए और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद धरने से उठे।

विश्व एड्स दिवस आज

एड्स के उपचार के लिए अब कई सारी नहीं, बस एक दवाई ही काफी

बेधड़क | जयपुर

एड्स संक्रमित मरीजों के इलाज में अब कई सारी दवाइयां लेने की जरूरत नहीं रही। इसके लिए बस एक ही दवा काफी है। नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम के तहत अब एड्स संक्रमित मरीजों के लिए नई 'टीएलडी' दवा लागू की गई है। टीएलडी की डोज में टेनोफोविर, लैमीवुडिन व डॉल्यूटेग्राविर ड्रग शामिल की गई है।

यह दवा मरीजों के लिए अधिक फायदेमंद है। अलग-अलग दवा लेने के बजाय इस एक ही दवा को लेने से एड्स के वायरस पर तेजी से असर होता है। शरीर में उसका वायरस लोड कम होता है। नियमित रूप से चार हफ्तों तक दवा लेने के बाद वायरस का प्रसार कम हो जाता है। इसके साथ ही इस दवा को लेने पर मरीज के सेकंड लाइन ट्रीटमेंट पर जाने के चांस कम हो जाते हैं। बता दें कि पहले एड्स के मरीजों को अलग-अलग टाइप की ड्रग लेनी पड़ती थी। इससे मरीजों को दवा समय पर लेने में कई प्रकार की दिक्कतें होती थी।

मगर, अब इस नई दवा से एक ही निश्चित समय में दवा लेकर एड्स के प्रसार को कम किया जा सकता है। वर्तमान में प्रदेशभर के लगभग सभी एआईटी के सेंटरों में नई दवा से ही इस बीमारी से ग्रस्त मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

प्राइवेट अस्पताल में उपचार लेने वाले मरीज चुनौती

आज भी काफी लोग मरीज निजी अस्पतालों में ही इलाज के लिए जा रहे हैं। कई लोग अपनी पहचान नहीं बताना चाहते हैं। मानवाधिकार व निजता के अधिकार के कारण भी डॉक्टर्स निजी सेंटर पर उनका इलाज करते हैं। ये वे लोग हैं जो रिकार्ड पर नहीं आना चाहते हैं। जहां तक इलाज पर खर्च की बात है तो हर माह इनका 5 हजार तक रुपए इलाज पर खर्च होते हैं। समृद्ध लोग सरकारी सेंटर्स पर नहीं जाते हैं, जबकि सरकारी सेंटर्स पर काउंसलिंग और जांच व दवा फ्री में मिल रही है।

प्रदेश में 58 हजार मरीज रजिस्टर्ड

आंकड़ों पर गौर करें तो राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के अनुसार प्रदेश में एड्स की बीमारी के 58 हजार 574 मरीज रजिस्टर्ड हैं, लेकिन वास्तविक मरीजों की संख्या इससे कहीं अधिक है। अकेले जयपुर में एआरटी सेंटर पर 7 हजार 350 मरीज दवा ले रहे हैं। इस साल मार्च से अब तक 625 मरीज जयपुर में संक्रमित मिले हैं।

इस साल की थीम 'लेट कम्यूनिटीज लीड'

इस साल वर्ल्ड एड्स डे की थीम लेट कम्यूनिटीज लीड है। एड्स की रोकथाम में समाज की अहम भूमिका के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इस थीम को चुना गया है। साथ ही अब तक एड्स के बचाव में समाज ने जो महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं, उनकी सराहना करने के लिए भी इस थीम को चुना गया है। एड्स या एचआईवी के बारे में समाज में मौजूद गलत अवधारणा के कारण, इसकी रोकथाम करना काफी मुश्किल होता है। समाज में नीची नजरों से देखे जाने की वजह से, लोग खुलकर इस बीमारी के बारे में बात नहीं करते और इससे बचाव नहीं हो पाता है। इस स्थिति को बदलने के लिए लेट कम्यूनिटटीज लीड का थीम चुना गया है।

नई दवा का दिख रहा है अच्छा असर

एसएमएस अस्पताल के एआरटी सेंटर के नॉडल ऑफिसर डॉ. अभिषेक अग्रवाल के अनुसार एड्स के इलाज में नई दवा टीएलडी का अच्छा असर मरीजों में देखने को मिल रहा है। पहले की तरह अलग-अलग दवा लेने के बजाय इस एक ही दवा लेने से मरीजे के इलाज में बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। इसके अलावा एसएमएस में ही इस बीमारी की वायरल लोड सैंपलिंग की सुविधा शुरु हो गई हे, जिससे 15 दिन में ही सैंपल का रिजल्ट आ जाता है। पहले दिल्ली व अन्य शहरों में सैंपल भेजना पड़ता था।

जरूरी खबर

युवक ने दहेज मुक्त शादी कर पेश की अनूठी मिसाल

कानोता। दहेज मुक्त शादी की शुरुआत एक युवा ने क्या की उसके पीछे बाकी गांव के युवक भी दौड़ में शामिल होकर समाज को दहेज मुक्त शादी का संदेश दे रहे हैं। बैनाडा गांव में एक दर्जन युवकों ने शादी में एक रुपए का नेग लेकर दूसरे समाजों के सामने भी एक मिसाल कायम की है। इसी कड़ी में 28 नवंबर को बैनाड़ा के नारायण लाल मेहरा पुत्र सोनू बैरवा ने आगरा रोड़ स्थित लखेसरा निवासी चिंरजीलाल कालरवाल की पुत्री अर्चना बैरवा से बिना दहेज शादी रचाकर समाज को एक संदेश दिया हैं। यह समाज के लोगों में शादी चर्चा का विषय बनी हुई है।

पालिकाकर्मी की हत्या के 6 दोषियों को उम्र कैद

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं में करीब 4 साल पहले मदनलाल की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने आज सजा सुनाई है। झुंझुनूं कोर्ट ने हत्या के मामले में 6 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला जज देवेंद्र दीक्षित ने फैसला देते हुए मणकसास के शंकर सिंह, जितेन्द्र सिंह, महेंद्र सिंह, मनमोहन सिंह, रविंद्र सिंह और भवानी सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 5-5 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर प्रत्येक आरोपी को 3-3 माह का कठोर कारावास और भुगतना होगा।

मतगणना को लेकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

सीकर। विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर को होगी और इसी दिन नतीजे भी आ जाएंगे। मतगणना के दौरा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ स्वामी ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। सहायक भू-प्रबन्ध अधिकारी राम सिंह सैनी को एसके सर्किल से बजरंग कांटा तक एवं मतगणना परिसर के 100 मीटर परिधीय क्षेत्र के प्रवेश बिंदु पर, नरेन्द्र कुमार भाटिया एसके गर्ल्स कॉलेज में, राकेश कुमार को गेट न.1 पर, ओम प्रकाश राहड़ को गेट न.2, महेश कुमार टीबड़ा को गेट न.3 पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

चंद्रभागा मेले में दूषित खाद्य पदार्थ और पेय का असर, पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे

फूड पॉइजनिंग के मरीज बढ़कर हुए 110, ज्यादातर हैं बच्चे

बेधड़क | झालावाड़

जिले के झालरापाटन में चल रहे चंद्रभागा मेले में दूषित खाना या पेय पदार्थ फूड पॉइजनिंग के मामले बढ़ रहे हैं। रोगियों की संख्या 45 से बढ़कर 110 हो गई।

क्षेत्र के एसआरजी और जनाना अस्पताल में अकेले झालावाड़ जिले से ही 91 मरीज भर्ती हुए हैं। इनमें 53 बच्चे हैं, जिनकी उम्र 14 साल से कम है। वहीं 38 मरीजों की उम्र 18 साल से ज्यादा है। सीमावर्ती कोटा जिले के भी पांच रोगी सामने आए हैं, जिसमें 4 बच्चे हैं। एक रोगी की उम्र 18 साल से ऊपर है। इसी तरह बारां जिले के भी 4 रोगी उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे हैं, जिनमें 2 छोटे बच्चे शामिल हैं। गौरतलब है कि इस मामले में सात वर्षीय बालिका तनवी कश्यप पुत्री अजय कश्यप की उल्टी-दस्त के बाद मौत हो गई। झालावाड़ मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी जी. एम. सैय्यद ने बताया सभी पीड़ित बच्चों का उपचार झालावाड़ के जनाना चिकित्सालय में जारी है।

जबकि बाकी का उपचार एसआरजी अस्पताल में किया जा रहा है। भर्ती होने वाले बच्चों में ज्यादातर झालरापाटन में चल रहे चन्द्रभागा कार्तिक मेले में परिजनों के साथ गए थे। बच्चों को अचानक उल्टी-दस्त शुरू हुए। ऐसा माना जा रहा हैं कि इन बच्चों ने कहीं दूषित खाद्य या पेय पदार्थ का सेवन कर लिया।

परिजनों ने बताया कि एक घंटे में कई बार बच्चे दस्त व उल्टी कर रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि भर्ती बच्चों में कई बच्चे ऐसे है, जिन्होने मेले में कुछ नहीं खाया लेकिन या तो पानी पिया या नदी के पानी से हाथ मुहं धोए है। कुछ बच्चों ने भंडारे का प्रसाद भी खाया है।

जलस्रोतों से लिए सात सैंपल

सीएमएचओ डॉ. जीएम सैयद ने बताया कि मंगलवार को चन्द्रभागा कार्तिक पूर्णिमा पर बच्चे स्नान करने गए थे। बच्चों ने वहां लगे नलकूप से पानी पीया एवं मेले में चल रहे बालाजी मन्दिर के भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। कुछ बच्चों ने पानी पताशे भी खाए थे। इसके बाद तबीयत बिगड़ गई। कोई भी बच्चा गम्भीर स्थिति में नहीं है। बच्चों का मेडिकल टीम द्वारा इलाज किया जा रहा है। भर्ती बच्चों के कुल 5 स्टूल सैम्पल लेकर जांच के लिए वीआरडीएल लैब भिजवाए गए। परिजनों द्वारा बताए जलस्रोतों से 7 सैंपल लिए गए, जिसमें से 4 सैम्पल नदी के घाटों के व एक सैम्पल ट्यूबवैल एवं 2 सैम्पल हैंडपम्प से लिए हैं। इन्हें जांच के लिए पीएचईडी लैब भेजा गया है। मेला कमेटी की बैठक बुलाकर सभी को साफ-सफाई व ताजा खाद्य पदार्थ रखने के लिए निर्देशित किया गया है। हर दो घंटे में एनाउंस करवाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने बैठक में दिए दिशा-निर्देश

इस मामले में गुरुवार दोपहर जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने मेले में खाद्य पदार्थों को ढक कर रखने के सत्र निर्देश दिए हैं। वहीं पीएचडी विभाग के अधिकारियों को मेले में शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को मेले की लगातार मॉनिटरिंग करने और खाद्य पदार्थों के सैंपल लेने के लिए कहा है। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को भी पाबंद किया है कि वे भी मेले की लगातार मॉनिटरिंग करें। साथ ही मेले में अशुद्ध खाद्य पदार्थ बेचने वालों पर कार्रवाई करें।

चीन में फैली बीमारी को लेकर अलर्ट मोड़ पर JLN अस्पताल

रिजर्व 22 बेड में से आठ पर वैंटिलेटर, 4 ICU भी तैयार

बेधड़क | अजमेर

चीन में फैल रही रहस्यमयी बीमारी को लेकर सावधानी बरती जा रही है। बीमारी के संभावित हमले को देखते हुए जिले के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल भी अलर्ट मोड पर आ गया है। यहां ऐतियात के तौर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जेएलएन हॉस्पिटल में कोविड के फर्स्ट वेव की तरह संदिग्ध मरीजों के लिए ट्रॉमा यूनिट को रिजर्व किया है। इसे खाली करवा दिया गया है। यहां 22 बेड हैं। इसमें 8 बेड पर वैंटिलेटर, ऑक्सीजन की सुविधाएं हैं। 15 जनरल बेड पर ऑक्सीजन की सप्लाई है। यदि मरीज बढ़ते हैं तो तीसरी मंजिल पर बने 250 बेड के प्री फेब्रिकेटेड वार्ड को काम में लिया जाएगा। अभी तक ये दोनों वार्ड चालू नहीं किए गए हैं। एक वार्ड 150 बेड व दूसरा 100 बेड का है। इन सभी 250 बेड पर ऑक्सीजन व वैंटिलेटर है। कोविड में सप्लाई किए गए 230 वैंटिलेटर में से 110 रिजर्व में रहेंगे। शुरुआत में गंभीर मरीजों को एनेस्थीसिया के नए आईसीयू में रखा जाएगा। यदि फिर भी स्थिति नहीं संभलती है तो चारों आईसीयू में मरीजों को शिफ्ट किया जाएगा। डॉ. अनिल जैन ने कहा कि बुखार, खांसी, ठंड लगने व खांसी के साथ लगातार सांस का उठाव है तो ऐसे मरीज को जांच करानी चाहिए। खांसी का सीधा असर फेफड़ों पर पड़ता है। यह निमोनिया की शुरुआत हो सकती है। इससे बचाव के लिए सावधानी बरतें। मास्क लगाने, भीड़ से बचने और नियमित हाथ धोने की सलाह चिकित्सकों ने दी है।

मॉक ड्रिल कर व्यवस्थाओं को परखा

नई एडवाईजरी को लेकर अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ अरविंद खरे ने कहा कि चीन में निमोनिया के केस सामने आए हैं। एहतियातन सरकार ने भी एडवाइजरी जारी की है। हमारे यहां व्यवस्थाओं को लेकर नियमित मॉनिटरिंग की गई है। जेएलएन अस्पताल सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम मौजूद हैं। मॉकड्रिल कर व्यवस्थाओं को परखा गया। चिकित्सा विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी में हॉस्पिटलों में दवाईयां, ऑक्सीजन के अलावा जांच की पर्याप्त इंतजाम करने और उनकी मशीनरी की जांच करने के निर्देश दिए है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से चीन के बच्चों में एक रहस्यमयी बीमारी फैलने लगी। तेज बुखार के साथ उनके फेफड़े फुला देने वाली इस बीमारी की वजह से हर रोज हजारों बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार ने देश में भी सभी राज्यों को हेल्थ एडवाइजरी जारी की है।

अस्पताल में ये व्यवस्थाएं हैं तैयार

जेएलएन अस्पताल के 1300 बेड पर सीधे ऑक्सीजन की सप्लाई है। यहां 230 वैंटिलेटर में से 130 रिजर्व रखे गए हैं। 22 केएल की क्षमता का लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट, 380 ऑक्सीजन सिलेंडर की क्षमता का मैनीफॉल्ट, 5 हजार ऑक्सीजन कंसंटेटर बैंक में रिजर्व रखे हुए हैं। कोविड में अजमेर जिले में 39 ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए थे। इनमें से 16 ऑक्सीजन प्लांट लंबे समय से बंद हैं। श्रीनगर व भिनाय दो अस्पताल ऐसे हैं जहां तो ऑक्सीजन प्लांट तीन साल बाद भी नहीं लग पाया है। यहां पर ऑक्सीजन प्लांट का स्ट्रक्चर बनाकर छोड़ दिया गया। जेएलएन में पांच ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट बंद हैं, ये गारंटी पीरियड में हैं। इसनकी मरम्मत को कहा गया।

दवाओं का भी रखा जाएगा पर्याप्त स्टॉक

दवाओं का भी पर्याप्त स्टॉक रखा जाएगा। इसके तहत पेरासिटामोल, एजिथोमाइसिन, रेमेडिसिवियर, मिथाइल पिडनिसोलन, डेक्सा मिथासोन, एंटीबायोटिक, हिपेरीन, मास्क, सेनिटाइजर, एनएस ग्लूकोस का स्टॉक रखने के लिए कहा गया है। 15 साल तक के बच्चों, सीनियर सिटीजन और गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क की श्रेणी में रखा है।

लिफ्ट देने के बहाने लूट

खुद को पुलिस अधिकारी बता दंपती से गहने और नकदी ले गए बदमाश

बेधड़क | सीकर

जिले में बस का इंतजार कर रहे दंपती से लूट का मामला सामने आया है। कार सवार युवक दंपती से गहने व नकदी लूट कर फरार हो गए। घटना सीकर जिले के रींगस थाना क्षेत्र की है।

जैतुसर निवासी मुक्तिलाल वर्मा व उसकी पत्नी सुगना देवी पलसाना जाने के लिए रींगस भैरुजी मोड़ पर बस का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान एक अनजान युवक उनके पास आकर खड़ा हो गया और उनसे पूछने लगा कि वह कहा जा रहें हैं। ऐसे में दंपती ने बताया कि वे पलसाना जा रहे हैं। युवक ने कहा कि मैं भी पलसाना जा रहा हूं, लेकिन मुझे पलसाना के अंदर जाने का रास्ता पता नहीं है, आप मुझे रास्ता बता देना। कुछ समय बाद वहां पर एक सफेद रंग की कार आकर रुक गई, जिसमें दो जने बैठे हुए थे। कार में सवार युवकों ने दंपती व उनके पास खड़े युवक को पलसाना छोड़ने की बात कही। जल्दी पहुंचने के चक्कर में पति-पत्नी कार में बैठ गए। रास्ते में युवकों ने खुद को पुलिस का अधिकारी बताया और दंपती से कहा कि कहा कि आगे चेकिंग चल रही है। आपके पास कितने रुपए व गहने हैं। ऐसे में दंपती ने कहा कि हमारे पास सोने की अंगूठी, मंगलसूत्र एवं 3500 रुपए कैश है। इसके बाद युवकों ने दंपती को लिफाफा देते हुए मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी एवं रुपए लिफाफे में डलवा कर उन्हें दूसरा लिफाफा बदल कर दे दिया। बावड़ी के नजदीक पहुंचते ही आरोपियों ने दंपती को गाड़ी से नीचे उतार दिया और गाड़ी चेक करवा कर वापस आने को कहा। काफी समय बीत जाने के बाद भी कार सवार युवक वापस नहीं आए तो दंपती ने लिफाफा निकाल कर चेक किया। लिफाफे में तार के टुकड़े थे जिसके बाद दंपती को लूट का पता चला।

कंपनी से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे दोनों युवक

बस-बाइक में टक्कर से दो की मौत

बेधड़क | अलवर

राजस्थान के अलवर जिले के भिवाड़ी में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक निजी स्कूल बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा शेखपुर अहीर थाना के अंतर्गत खिदरपुर गांव के पास हुआ। पुलिस ने दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

वहीं पुलिस ने निजी स्कूल की बस को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है। शेखपुरा थानाधिकारी हरदयाल सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह घना कोहरा होने के कारण निजी स्कूल बस और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में अमीरनगर गांव निवासी फैसल (23) पुत्र यूनिस खान और अमजद (19) पुत्र शरीफ खान की मौत हो गई। दोनों युवक कजारिया फैक्ट्री में रात की ड्यूटी कर सुबह घर लौट रहे थे। तभी खिजरपुर गांव के पास सामने से आ रही एक निजी स्कूल की बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद अमजद की मौके पर ही मौत हो गई। इधर, एकसाथ दो युवकों की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल, परिजनों की तरफ से अभी लिखित में शिकायत नहीं दी गई है।

कैडेट्स ने एड्स को लेकर किया जागरूक

बीकानेर। जिले में गुरुवार को वर्ल्ड एड्स-डे के मौके पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान एनसीसी कैड्टस ने लोगों को एडस के प्रति जागरूक किया।

बागियों के खिलाफ कार्यकर्ताओं में रोष

BJP के पूर्व जिलाध्यक्ष की नाम पट्टिका पर पोती कालिख

बेधड़क | भीलवाड़ा

जिले में भारतीय जनता पार्टी के बागी प्रत्याशी के खिलाफ कार्यकर्ताओं में रोश देखने को मिल रहा है। पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में उतरे भीलवाड़ा भाजपा के पूर्व ज़िलाध्यक्ष के खिलाफ चुनाव के बाद नाराजगी चरम पर है।

आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कार्यालय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद पूर्व ज़िलाध्यक्ष लादू लाल तेली की नाम पट्टिका पर कालिख पोत दी। इससे पहले कार्यकर्ताओं ने एक आयोजन में उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। भाजपा कार्यालय में गुरुवार शाम कार्यकर्ता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। इस दौरान मतगणना में बूथ पर बैठने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा था।

इसी बीच यह वाकिया देखने को मिला। कुछ कार्यकर्ताओं ने भाजपा के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी का साथ देने पर पूर्व ज़िलाध्यक्ष तैली के ख़िलाफ़ नाराजगी जाहिर की और कार्रवाई की मांग की। भाजपा ज़िलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने परिणाम के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दे कर कार्यकर्ताओं को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। ग़ुस्साए कार्यकर्ता प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद कार्यालय में लगी नाम पट्टिकाओं पर पूर्व जिलाध्यक्ष तेली के नाम पर कालिख पोत गए। बाद में मेवाड़ा ने नाम पट्टिका पर जहां-जहां कालिख पोती थी उसे फिर से सही करवाया, लेकिन कालिख लगी नाम पट्टिका के फोटो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

कार्यकर्ताओं की ओर से किया गया कृत्य गलत

पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी जताते हुए उनके नाम पर कालिख पोतने को लेकन जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से इस घटना के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में बागियों के खिलाफ गुस्सा है, लेकिन जो कृत्य उन्होंने किया है वह निश्चित रूप से गलत है। उन्होंन कहा कि नाम पट्टिका पर कालिख पोतने वाले कौन थे? इसका पता लगाया जाएगा। जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने मतगणना संपन्न होने के बाद बागियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की बात कही।

नाम पर कालिख पोत सकते हैं, लेकिन किरदार पर नहीं

स्थानीय भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं की ओर से नाम पर कालिख पोतने के मामले में पूर्व जिलाध्यक्ष तेली ने भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि हमारे नाम पर कालिख पोत सकते हैं, लेकिन हमारे किरदार पर नहीं। हम भाजपा के थे, भाजपा के हैं और भाजपा के रहेंगे। परिवार में मन-मुटाव हो सकता है, लेकिन कुछ नेताओं के इशारे पर इस तरह का कृत्य किया गया वह ठीक नहीं है।

मंडफिया थानाधिकारी NDPS मामले में सस्पेंड

बेधड़क | उदयपुर

जिले के रेंज आईजी अजय लांबा ने चित्तोड़गढ़ जिले के मंडफिया थानाधिकारी को एनडीपीएस मामले में मिलीभगत पाई जाने पर सस्पेंड किया है। आईजी ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि एनडीपीएस के एक केस में थानाधिकारी सोलंकी की संदिग्ध भूमिका सामने आई।

शिकायत मिलने के बाद उन्हें सस्पेंड किया गया है। जानकारी के अनुसार 27 अक्टूबर 2023 को मुखबिर की सूचना पर एक टेम्पो से मक्की के कट्टों की आड़ में सप्लाई की जा रही 1 किलो 319 ग्राम एमडी ड्रग को जब्त किया गया था। साथ ही मंगलवाड़ निवासी भंवरलाल खटीक को गिरफ्तार किया गया था। इसकी जांच भदेसर थानाधिकारी को सौंपी गई थी। वहीं, दूसरी ओर भंवरलाल के परिजनों ने एसपी और उदयपुर आईजी को एक शिकायत दी। इसमें बताया गया कि केस में भंवरलाल को केस में झूठा फंसाया गया है। इसको लेकर आईजी को परिवाद भी सौंपा। इसके बाद आईजी ने इस मामले में जांच करवाई। जांच में थानाधिकारी यशवंत सिंह की भंवरलाल खटीक के रिश्तेदार और हिस्ट्रीशीटर पोखर खटीक से मिलीभगत सामने आई। इसके बाई आईजी ने कार्रवाई करते हुए थानाधिकारी को सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड किए गए थानाधिकारी यशवंत सोलंकी वर्ष 2019 में उदयपुर के सायरा में तैनात थे। तब एनडीपीएस के ही एक अन्य मामले में थानाधिकारी ने आरोपी से पैसे लेकर उन्हें छोड़ दिया था।

चुनावी पोळ

घणी आछी करै पंचायती,
नांव है एक्जिट पोल ।
वोटां की गिणती पहल्यां,
बाजे हार-जीत रो ढोल।।

गजानन

विधानसभा चुनाव एग्जिट पोल के साथ ही इंटेलीजेंस और सट्टा बाजार के अनुमान भी आए सामने

इंटेलीजेंस रिपोर्ट में त्रिशंकु तो सट्टा बाजार बना रहा भाजपा सरकार

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। विधानसभा चुनावों के परिणाम रविवार को आएंगे। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के नेता अपनी सरकार सत्ता में आने के दावे कर रहे हैं। भाजपा कह रही है कि प्रदेश में हर चुनाव में सरकार बदलने का रिवाज कायम रहेगा और राज बदलेगा वहीं कांग्रेस का दावा है कि यह रिवाज बदलेगा और इस बार सरकार रिपीट होगी। दोनों पार्टियों द्वारा 199 विधानसभा सीटों पर खड़े हुए प्रत्याशियों से फीडबैक लेकर बहुमत के साथ सरकार बनाने की बयानबाजी की जा रही है।

लेकिन अगर पुलिस मुख्यालय की इंटेलीजेंस शाखा की रिपोर्ट व फलौदी-नोखा के सट्टा बाजार की मानें तो परिणाम के समीकरण कुछ और ही हैं। इंटेलीजेंस के अफसरों द्वारा तैयार की गई गोपनीय रिपोर्ट में सामने आया कि भाजपा व कांग्रेस दोनों ही पार्टियों को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने जा रहा है। इस बार सरकार गठबंधन से बनेगी। रिपोर्ट के अनुसार भाजपा को 90 से 95 सीटों पर जीत मिलेगी। जबकि कांग्रेस को 85 से 90 सीटों पर जीत मिल सकती है। यानि इस बार 199 विधानसभा सीटों पर 20 तीसरे मोर्चे के या निर्दलीय प्रत्याशी जीतेंगे। जिनके सहयोग से दोनों में से एक पार्टी सरकार बनाएगी। हालांकि हर बार विधानसभा चुनावों के दौरान इंटेलीजेंस शाखा के अधिकारियों द्वारा जो रिपोर्ट तैयार की जाती है, उस रिपोर्ट की हकीकत परिणाम से पहले कुछ अलग होती है और परिणाम के बाद में कुछ अलग ही हार-जीत का अंतर सामने आता है। उधर, फलोदी व नोखा के सट्टा बाजार में सटोरियों द्वारा पूर्ण बहुमत से भाजपा द्वारा सरकार बनाए जाने के भाव चलाए जा रहे हैं।

सट्टा बाजार के ट्रेंड के मुताबिक प्रदेश में भाजपा 120 सीटें हासिल कर सकती है व कांग्रेस को 60 से भी कम सीटें मिल सकती हैं। फलोदी व नोखा के सटोरियो के बाजार भाव देशभर में चर्चित रहते हैं चाहे वह खेल का मैदान हो या फिर चुनावी जंग। सटोरियों की मानें तो प्रदेश में भाजपा को 120 से 130 सीटों पर जीत मिलेगी। भाजपा ही पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। वहीं सटोरियों का दावा है कि कांग्रेस को इस बार 60 सीटों से कम पर जीत मिलेगी। यानि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले इस बार कांग्रेस को 41 सीटों पर हार का सामना करना पड़ेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 101 सीटों पर जीत मिली थी। इसके बाद में कांग्रेस में कई निर्दलीय व तीसरे मोर्चे के जीते हुए प्रत्याशी भी शामिल हो गए थे। भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में 73 सीटों पर जीत मिली थी। सट्टा बाजार के मुताबिक इस बार भाजपा 47 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाकर सत्ता में आएगी।

इंटेलीजेंस रिपोर्ट

भाजपा	90-95
कांग्रेस	85-90

सट्टा बाजार

भाजपा	120-130
कांग्रेस	50-60

पुलिस ने ऐसे की तैयार की रिपोर्ट

इंटेलीजेंस शाखा के सभी जिलों में जेडो लगा रखे हैं। इनमें इंस्पेक्टर, डिप्टी एसपी, एडिशनल एसपी रैंक के अफसर शामिल है। इन अफसरों ने विधानसभा वार सभी प्रत्याशियों के हार-जीत का ग्राउंड पर जाकर मतदाताओं, अफसर-कर्मचारियों, व्यापारियों समेत सभी वर्ग के लोगों से प्रत्याशियों की हार-जीत का फीडबेक लिया। इस रिपोर्ट को इंटेलीजेंस एडीजी द्वारा एनजीओ को विश्लेषण के लिए विशेष काम दिया है। उस आधार पर 199 विधानसभा सीटों पर खड़े हुए भाजपा, कांग्रेस, तीसरे मार्चे व निर्दलीय प्रत्याशियों की हार-जीत की रिपोर्ट तैयार की गई है।

सट्टा बाजार ऐसे करता है काम

फलोदी में रोजाना अघोषित तौर पर करोड़ों रुपए का सट्टा लगता है। बताया जाता है कि यहां करीब 20 से 22 मुख्य सट्टा कारोबारी हैं। इनके अलावा यहां सैकड़ों दलाल और सटोरिये हैं। यह सारे कारोबारी और सटोरिये चुनाव के साथ ही बारिश, फसल, क्रिकेट आदि पर भी सट्टे लगाते हैं। अब ये सट्टा बाजार लगभग सही अनुमान कैसे लगा लेता है इसकी बात करें तो इसके पीछे उनके अपने तर्क हैं। सटोरिये तमाम अखबारों, इलेक्ट्रोनिक मीडिया की खबरों, नेताओं की सभाओं में आने वाली भीड़, लोगों से चर्चा, माहौल आदि का सर्वे कर अनुमान लगाते हैं। पार्टी की स्थिति क्या है, सट्टा नेटवर्क में किस पार्टी पर ज्यादा दाव लग रहे हैं आदि जैसे तथ्यों के आधार पर ये एक समग्र अनुमान तैयार करते हैं और इसी के आधार पर रुझान तय किए जाते हैं।

बिहाइंड द कर्टेन

एग्जिट पोल ने बढ़ा दी धड़कनें

एग्जिट पोल आ गए। अलग-अलग चैनल। उनके अपने अनुमान और लॉजिक। वैसे तो ये साइंस है। डेटा पर आधारित है। फिर भी संभावनाओं का खेल है। सैम्पल साइज भी महत्व रखता है। सब जानते हैं ये नतीजे नहीं, सिर्फ संकेत हैं। कई लोग इन पर यकीन करते हैं, कई नहीं करते। कोई कुछ भी कहे, इंतजार तो सभी को रहता है। धड़कनें तो बढ़ ही जाती है। पिछले एक्जिट पोल से तुलना हो रही है। किसकी नैया पार होगी, किसकी लुटिया डूब जाएगी। निवर्तमान सरकारों के कामकाज, प्रचार अभियान, मुद्दों पर भी बात हो रही है। एक्जिट पोल करने वाले चैनल के चरित्र की भी चर्चा हो रही है। कई अनुमान गलत साबित हो गए थे। पांच राज्यों में से दो में कांग्रेस थी, एक में भाजपा। बाकी दो में क्षेत्रीय दल की सरकार। सबका जोर चार राज्यों पर। एक राज्य पर ज्यादा बात नहीं हो रही। मतदान के बाद कुछ राज्यों में एकतरफा हवा बताई जा रही थी। जहां सब कंफर्टेबल मेजोरिटी मान रहे थे। अब कोई वहां क्लोज कंटेस्ट बता रहा है। दूसरा एक पार्टी की सरकार बनवा रहा है। किस पर भरोसा करें, किस पर नहीं। संदेह और शंका के बादल। क्या अण्डर करंट और ध्रुवीकरण चल गया। गारंटियां चली या नहीं। जिन योजनाओं की देशभर में चर्चा थी उन्हें जनता ने पसंद किया या नहीं। एंटी इन्कम्बेंसी थी या नहीं। कैम्पेन और वोटिंग पैटर्न का क्या होगा। विश्लेषक अपनी विचारधारा के हिसाब से पोल की चीरा़फाड़ करने में लगे हैं। पार्टियों की बात करें तो वो जीत के प्रति आश्वस्त हैं। परिणाम से पहले कोई अपनी हार कैसे मान सकता है। जनता को जो कहना था वो वोट डालकर बता दिया। अपने प्रदेश की बात करें तो सबसे ज्यादा पशोपोश यहीं को लेकर है। तीस साल का ट्रेंड अपनी जगह है। राज या रिवाज बदलने पर काफी बात हो चुकी है। पूर्ण बहुमत मिल जाए तो क्या कहने। नहीं तो प्लान बी भी तैयार है। मतलब बाड़ाबंदी, जोड़तोड़। मंथन चल रहा है। फीड बैक के आधार पर निर्दलीय व अन्य मजबूत बागी उम्मीदवारों से सम्पर्क किया जा रहा है। अन्य में दूसरी पार्टियां भी हैं। हो सकता है ये ही किंग मेकर बन जाएं। क्लाइमैक्स क्या होगा ये तीन को ही पता चलेगा। पांचों राज्यों की राजधानियों से लेकर देश की राजधानी तक हलचल बढ़ गई है। नतीजे कुछ भी हों, देश की राजनीति में काफी कुछ बदलने वाला है। तो तैयार रहिये।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

कुछ पता नहीं कौन बनेगा किंग मेकर और कौन छीनेगा जीत का क्राउन

स्थान बापू नगर **समय** शाम 4:40 बजे

जयपुर

मतदान तो हो गया। जिसको जो मिलना है वो जनता के आदेश के रूप में मशीनों में बंद हो गया। अब जैसे-जैसे उस आदेश के खुलने का टाइम नजदीक आ रहा है, जनता का रोमांच और नेताओं की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं। अब सभी दिन नहीं गिन रहे बल्कि घंटे गिन रहे हैं कि कब वो घड़ी आएगी जब मशीनें प्रदेश की सरकार की घोषणा करेंगी। हर कोई रोमांचित है। लोगों के रोमांच को एग्जिट पोल ने ओर परवान चढ़ा दिया। तो, आम जनता के बीच लगातार चल रहे रिजल्ट के अनुमानों के साथ चुनावी तस्वीर को देखने हम पहुंचे हैं बापू नगर में राजस्थान विश्वविद्यालय के पास स्थित एक चाय के स्टॉल पर। स्टॉल में यहां-वहां बैठे युवाओं के समूहों में चाय की चुस्कियों के साथ चल रहा है चर्चाओं का दौर। "भाई, अब तो दो दिन में साफ हो जाएगा क्या होना है। अभी तो कुछ क्लीयर है ही नहीं, अबकी बार तो कांटे का मुकाबला है, सारा खेल 10-15 सीट का ही रहेगा।" बात शुरू हुई तो सामने से जवाब आया- "जरूरी नहीं है कि ऐसा ही हो। हां, जो बिना पार्टी के नेता हैं या छोटी पार्टियों के नेता हैं वो खेल तो बिगाड़ेंगे पर किसका बिगाड़ेंगे ये देखने वाली बात होगी। इस बार लगता है इनमें से जीतने वाले ही असली किंगमेकर होंगे। वैसे आजकल कुछ पता नहीं है कौन कब किंगमेकर बन जाए और कौन किंग का क्राउन छीनने वाला।" भारी ठहाकों के साथ आज की राजनीति की सच्चाई सामने रखी गई। सामने बैठ कर चाय की चुस्की ले रहे ग्रुप के ही एक तीसरे युवा ने बात को नया सिरा दिया-"भाई, कल एग्जिट पोल भी तो आए हैं। ये भी वो ही बात बोल रहे हैं जो सब बोलते हैं। किसी की क्लीयर सरकार तो बता नहीं रहे।" सामने चुस्की ले रहे युवा ने बात का सिरा पकड़ उसे आगे बढ़ाया-"भाई, सब टाइमपास का काम है। देखो हर एग्जिट पोल में किसी भी पार्टी की मिनिमम और मैक्सीमम सीट में ही 20-25 सीटों का अंतर है। और इसमें भी ये बोलते हैं कि 10 सीटें प्लस या माइनस हो सकती हैं। अब सोच लो इनकी एक्यूरेसी के बारे में। जो अंदाजा ये लगा रहे हैं वो अंदाजा तो अपन लोगों ने चार महीने पहले ही लगा लिया था। फिर इनमें नया क्या है। तो, सारी बातें टाइमपास के लिए है, असली खुलासा तो 3 को ही होगा। इसलिए इंतजार करो बस और जो भी अपना अंदाजा बता रहा है उसको सुने जाओ।" असली मुद्दे की बात पर पहुंच कर ये चुनावी चर्चा समाप्त हुई।

पॉली क्लिक्स

जिस जगह पर कुछ दिन पहले चुनावी रणनीतियां बनाई जा रही थीं वहां आज चाट-पकौड़े बनाने के लिए चूल्हे जल रहे हैं। शहर में जगह जगह बनाए गए चुनाव कार्यालय इन दिनों या तो सूने पड़े हैं या वहां पुराना काम चालू हो गया है। मतगणना अभी बाकी है तो इन्हें पूरी तरह बंद नहीं किया गया गया है।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

नेहरू के दखल से हो गई थी हीरालाल शास्त्री के दल जनता पार्टी की 'भ्रूण हत्या'

बोलचाल की आम भाषा में कहें तो चुनाव और राजनैतिक दल एक सिक्के के दो पहलू माने जाते हैं। लेकिन इस रिश्ते को मुहावरे के रूप में चोली-दामन के साथ का नाम भी दिया जा सकता है। राजनैतिक दलों के जन्म और उसके विकास की कहानी बनती-बिगड़ती रहती है। यदि आपको किसी राजनैतिक दल के गर्भपात की कथा सुनाई जाए तो कैसा रहेगा। तो इस कथा के श्रीगणेश के लिए हमे स्वाधीनता के पश्चात 1952 में प्रथम चुनाव की तत्कालीन पृष्ठभूमि को समझना होगा

स्वाधीनता के लिए संघर्ष काल में एक अंग्रेज अधिकारी द्वारा 'सेफ्टी वॉल्व' के रूप में स्थापित की गई कांग्रेस पार्टी की भूमिका महत्वपूर्ण मानी गई। स्वाधीनता का लक्ष्य पूरा होने पर महात्मा गांधी ने इस पार्टी को विघटित करने की बात कही थी। परंतु ऐसा नहीं हुआ। वर्ष 1969 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस के विधिवत विभाजन की श्रृंखला आने वाले दशक में टूटी नहीं। कांग्रेस के कई नाम हुए और अब इंदिरा गुट वाली कांग्रेस जीवित है। प्रथम आम चुनाव के समय की जनसंघ अब भारतीय जनता पार्टी के परिवर्तित रूप में है तो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और सोशलिस्ट पार्टी भी टुकड़ों में बंटती रही।

आपातकाल के दौरान विभिन्न दलों के नेतागण जेल में रहे और 1977 के चुनाव की घोषणा होते ही आनन-फानन में जनता पार्टी का जन्म हुआ। भारतीय लोकदल के चुनाव चिह्न के बलबूते पहली बार केन्द्र में गैर कांग्रेस सरकार में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में शासन सत्ता

की बागडोर संभाली। विडम्बना यह रही कि न तो सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाई और जनता पार्टी भी टुकड़े-टुकड़े होकर बिखरती चली गई।

इस कथा के आरम्भ में हम जिस राजनैतिक दल के गर्भपात की चर्चा कर रहे थे, अब उसकी बारी है। यह सही है कि भारत में संसदीय शासन प्रणाली की चुनाव यात्रा के 25 वर्षों के अंतराल पर केन्द्र में जनता पार्टी की सरकार बनी थी। लेकिन राजस्थान में गठित जनता पार्टी तो आम चुनाव से पहले ही जन्मी और गर्भनाल कटने व नवजात शिशु की साफ-सफाई की रस्म से पहले उसका मरण हो गया। अब इस कहानी को समझने से पहले हमे फिर भूतकाल में जाना होगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल की पहल पर प्रदेश की 22 रियासतों के एकीकरण से 30 मार्च 1949 को गठित राजस्थान के लिए रियासती मंत्रालय ने हीरालाल शास्त्री को

प्रथम प्रधानमंत्री मनोनीत किया। तत्कालीन राजस्थान कांग्रेस में मारवाड़ के जयनारायण व्यास, मेवाड़ के माणिक्यलाल वर्मा तथा गोकुल भाई भट्ट आदि की गिनती शिखर नेताओं में होती थी। हीरालाल शास्त्री आयु में छोटे थे, तब उनका राजनीतिक कद भी कम था। अलबता भट्ट जी शास्त्री के समर्थक थे। व्यास जी, वर्मा जी के समर्थकों की रणनीति के चलते किशनगढ़ में कांग्रेस की बैठक में शास्त्री सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सरदार पटेल को भेजा गया जिसे अस्वीकार किया गया। पटेल का निधन होने पर शास्त्री ने 5 जनवरी 1951 को त्यागपत्र दे दिया।

जयपुर में हुआ गठन का निर्णय, दिल्ली में हुई समापन की घोषणा

संवाद समिति हिन्दुस्थान समाचार में हमारे अग्रज वरिष्ठ पत्रकार सीताराम झालानी ने इस घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस की धड़ेबंदी से परे हीरालाल शास्त्री वनस्थली चले गए जहां उन्होंने शिक्षण संस्थान की स्थापना की। लेकिन आम चुनाव की घोषणा होने पर उनका राजनीतिक मन कुलबुला उठा और वे चुनाव राजनीति में सक्रिय हो गए। व्यास जी-वर्मा जी से पटरी बैठने की कोई गुंजाइश नहीं देख उन्होंने नए राजनैतिक दल के गठन की मंशा से जयपुर में अपने समर्थकों का सम्मेलन बुलाया। कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने के उद्देश्य से जनता पार्टी नामक दल के गठन का निर्णय लिया गया। शास्त्री अध्यक्ष बने। उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी विधि मंत्री वेदपाल त्यागी तथा लोकवाणी दैनिक के सम्पादक पूर्णचंद जैन को महामंत्री मनोनीत किया गया। यह खबर मिलते ही केन्द्र में अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने शास्त्री जी को दिल्ली बुलाया । समझाइश पर बहीं जनता पार्टी के समापन की घोषणा कर दी गई। इस प्रकार इस नए दल की भ्रूण हत्या हो गई। इसके बदले चुनाव में शास्त्री समर्थक 14 लोगों को उम्मीदवार बनाया गया। लेकिन गुटबाजी के चलते केवल वेदपाल त्यागी छबड़ा से चुनाव जीत सके।

प्रोफ़ेसर सय्यद एहतिशाम हुसैन का स्मृति दिवस

प्रगतिशील आंदोलन के अहम सिद्धांतकार

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

प्रोफ़ेसर सय्यद एहतिशाम हुसैन तरक़्क़ीपसंद तहरीक के अहम सुतून थे। उर्दू अदब में तरक़्क़ीपसंद ख़यालात को फैलाने में जिन शख़्सियात ने अपना ख़ास रोल अदा किया, उसमें उनका नाम सबसे अव्वल दर्जे पर आता है। एहतिशाम हुसैन ने यूं तो शायरी की, अफ़साने लिखे, सफ़र-नामा लिखा लेकिन उनकी असल व अहम शिनाख़्त एक तरक़्क़ीपसंद मार्क्सवादी नक़्क़ाद की है। अदब का अपने मुआशरे से रिश्ता क़ायम करते हुए, उसे इतिहास और ज़माने के टकराव के पसमंज़र में देखना, एहतिशाम हुसैन का बुनियादी कारनामा था। एहतिशाम हुसैन की इब्तिदाई तालीम आज़मगढ़ में हुई। आगे की तालीम हासिल करने के लिए वह इलाहाबाद पहुंचे। यह वह दौर था, जब पूरे मुल्क के साथ-साथ इलाहाबाद में भी अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ आंदोलन चल रहे थे। ख़ास तौर पर इलाहाबाद 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' का मरकज़ बना हुआ था। बरतानवी माल का जगह-जगह बायकॉट किया जा रहा था। ऐसे हंगामाख़ेज़ माहौल में एहतिशाम हुसैन ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में दाख़िला लिया। यूनिवर्सिटी में उन्हें जो उस्ताद मिले, उनमें प्रोफ़ेसर सतीश चंद्र देव, फ़िराक़ गोरखपुरी, ज़ामिन अली, अब्दुल सत्तार सिद्दीक़ी और सबसे अव्वल सय्यद एजाज़ हुसैन से वे काफी मुतास्सिर हुए।

एक लिहाज़ से कहें तो उनकी ज़िंदगी, शख़्सियत और ज़ेहनी, फ़िक्री बनावट में डॉ. एजाज़ हुसैन ने अहम रोल अदा किया। वह एजाज़ हुसैन ही थे, जो एहतिशाम हुसैन को अंग्रेज़ी से उर्दू की तरफ लेकर आए। इन सब उस्तादों की सोहबत में उन्होंने काफ़ी कुछ सीखा। एजाज़ हुसैन के यहां जो अदबी बैठकें होती, एहतिशाम हुसैन उनमें बाक़ायदगी के साथ शिरकत करते। इन बैठकों में ना सिर्फ़ उन्हें सियासी नज़रिया दिया, बल्कि समाजी मामलों में भी दिलचस्पी बढ़ाई। एहतिशाम हुसैन ने बीस साल की उम्र से ही लिखना शुरू कर दिया था।

> प्रोफ़ेसर एहतिशाम हुसैन साल 1961 में लखनऊ से इलाहाबाद यूनिवर्सिटी आ गए और साल 1972 तक यहां उर्दू महकमे में प्रोफ़ेसर के ओहदे पर रहे। 1 दिसंबर 1972 को उन्होंने इस फ़ानी दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

शुरुआत में उन्होंने शायरी, अफ़साने और ड्रामे लिखे। लेकिन बाद में एक बार जो तनक़ीद की ओर रुख़ किया, तो फिर उसी के हो लिए। मार्क्सवाद और तरक़्क़ीपसंद तहरीक ने प्रोफ़ेसर एहतिशाम हुसैन को हद दर्जे तक मुतास्सिर किया। ख़ुद उनकी नज़र में, "मैं मार्क्सवाद को सबसे बेहतरीन दर्शनशास्त्र समझता हूं और उसी की मदद से ज़िंदगी और अदब को समझने की कोशिश करता हूं। मेरा ख़याल है कि आलोचना और आत्म-आलोचना के मार्ग पर चलकर, हम उस सच्चाई को ढूंढ़ने में कामयाब हो सकते हैं, जिससे ज़िंदगी के मर्म समझ में आ सके। मेरा यक़ीन है कि अदब के समझने में तरक़्क़ीपसंद समाजी नज़रिया सबसे ज़्यादा कारगर साबित हो सकता है।" (किताब-'उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास', पेज-272) साल 1935 में सज्जाद ज़हीर लंदन से अपनी तालीम मुकम्मल करके इलाहाबाद आए। उन्होंने प्रगतिशील लेखक संघ के गठन के लिए इलाहाबाद में जो ऐतिहासिक बैठक आयोजित की उसमें अहमद अली, फ़िराक़ गोरखपुरी, प्रेमचंद, अब्दुल हक़, दया नारायण निगम, रशीद जहां और अपने उस्ताद एजाज़ हुसैन के साथ नौजवान एहतिशाम हुसैन भी शरीक हुए। तरक़्क़ीपसंद तहरीक ने एहतिशाम हुसैन पर काफ़ी असर डाला। इस तहरीक ने उनमें एक नज़रिया, एक नई सोच पैदा की। साल 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की पहली कॉन्फ्रेंस लखनऊ में हुई।

इस ऐतिहासिक कॉन्फ्रेंस के बाद, जो दो कॉन्फ्रेंस इलाहाबाद में हुईं उनमें एहतिशाम हुसैन ने ना सिर्फ़ हिस्सा लिया बल्कि बाक़ी कामों में भी बढ़-चढ़कर मदद और हिस्सेदारी की। एजाज़ हुसैन की संगत में उनका रुजहान तनक़ीद की तरफ़ हुआ और वह बाक़ायदगी से लेख लिखने लगे। तरक़्क़ीपसंद तहरीक के मुखपत्र 'नया अदब' में उनका लेख 'प्राचीन साहित्य और प्रगतिशील आलोचक' प्रकाशित हुआ। एहतिशाम हुसैन के इंतक़ाल के बाद तरक़्क़ीपसंद तहरीक के रूह-ए-रवाँ सज्जाद ज़हीर ने उन्हें अपनी ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश करते हुए लिखा, "जब आज एहतिशाम हुसैन दामन छुड़ाकर इस दुनिया से उठ गए हैं, हम फ़ख़्र और यक़ीन के साथ कह सकते हैं कि उनकी तहरीर का एक-एक लफ़्ज़ जब तक सादे काग़ज़ पर सच्चे मोतियों की तरह चमकता रहेगा, वह हमें और हम से बाद आने वालों को इस आंदोलन को नई राहों में ले जाने और सच्चाई तथा तरीक़ों की तलाश और बदलते हुए हालात के मुताबिक़ नए फ़िक्र और रचनात्मक कोशिशों के लिए आमादा करता रहेगा और जब हम उस बुलंद और शरीफ़ इंसानियत पसंद मक़सद को हासिल करने की कोशिश करते रहेंगे, तब हर घड़ी हम एहतिशाम हुसैन को याद रखेंगे, इसलिए कि उनकी सारी ज़िंदगी इसी मक़सद को हासिल करने के लिए ख़र्च हुई।"

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

मेगा बचाव व राहत अभियान की कामयाबी के लिए दुनियाभर में हुई प्रार्थना

बहुत बड़ा सबक है सिलक्यारा सुरंग हादसा

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

> सुरंग निर्माण विशेषज्ञ और कोंकण रेलवे के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर विनोद कुमार का कहना बिल्कुल सही है कि देश में बढ़ती सुरंग निर्माण की परियोजनाओं को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि एक ऐसा संस्थान बनाया जाना चाहिए जो सुरंग निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर साल तकनीकी आडिट करे। तभी हम हादसों को रोक पाएंगे।

उत्तराखंड में चार धाम सड़क परियोजना के तहत बन रही सिलक्यारा सुरंग के हादसे ने सुरंगों की सुरक्षा को लेकर तमाम सवाल खड़े कर दिये हैं जिन पर विचार किया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही इस हादसे में 348 घंटे जिंदगी की जंग लड़ते रहे 41 मजदूरों की सकुशल जिंदा वापसी न केवल हर्ष का, गर्व का विषय है बल्कि इस आपदा के दौर में राहत व बचाव कार्यों में देश की 15 से अधिक एजेंसियों के 650 से ज्यादा लगे इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों, डाक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों, श्रमिकों और सुरक्षा कर्मियों, सेना व भारतीय वायुसेना के रात- दिन अनवरत अथक परिश्रम और राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी द्वारा उत्तरकाशी में कैंप कर केन्द्र की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर राहत व बचाव आपरेशन की रफ्तार को गति देने में जो अहम भूमिका निबाही, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम है जिसके बलबूते 17 दिन सुरंग में फंसे रहने और जिंदगी और मौत के बीच जूझते 8 राज्यों यथा हिमाचल, उत्तराखंड, असम, पश्चिम बंगाल, उडीसा, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के मजदूर बाहर आ सके और खुली हवा में सांस ले सके।

दरअसल यह सुरंग हादसा देश-दुनिया का ऐसा हादसा रहा जो 17 दिनों तक न केवल दुनिया की मीडिया की सुर्खियों में रहा बल्कि दुनिया ने सुरंग में फंसे इन मजदूरों की सकुशल वापसी और देश के मेगा बचाव व राहत अभियान की कामयाबी की लगातार प्रार्थना भी की। इस सबके बावजूद वह बात दीगर है कि इस बचाव अभियान में पहली बार पांच विकल्पों पर काम किया गया और आरवीएनएल, टीएचडीसी, ओएनजीसी,एन आईडीसीएल और सतलुज जल विद्युत निगम ने मुख्य सुरंग के समानांतर अलग-अलग राहत सुरंगों को बनाने का काम किया। यही नहीं इस अभियान में काम आने वाले उपकरणों को लाने के लिए भारतीय वायु सेना के विमानों ने रात-दिन उडानें भरीं और जरूरत के यंत्र व सामग्री पहुंचाने में अहम योगदान दिया। और तो और इंटरनेशनल टनल आरगनाइजेशन के अध्यक्ष अर्नोल्ड डिक्स का भी इस अभियान में सहयोग सराहनीय ही नहीं, स्तुतियोग्य है। बहरहाल यह हादसा सुरंग निर्माण में लगे योजनाकारों के लिए सबसे बडा सबक है। क्योंकि देश में अब जमीन की कमी के मद्देनजर सुरंग निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। सुरंगों को सबसे अच्छा विकल्प माना जा रहा है और देश में सुरंग का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, अब तो देश के हिमालयी राज्यों में सड़क, रेल व जल विद्युत परियोजनाओं के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है।

यही नहीं अब हाइड्रो टनल, रेल, मैट्रो टनल,रोड टनल, भूमिगत बिजली घर, पैट्रोलियम, रक्षा मंत्रालयों के भंडार, सीवेज प्रबंधन, पार्किंग और परमाणु संयंत्रों में व परमाणु युद्ध से बचाव के लिए भी सुरंगों का उपयोग हो रहा है। यह चलन अब थमने वाला नहीं है, इसमें और बढोतरी होगी। जाहिर सी बात है कि विकास के रथ की गति को देखते हुए सुरंग निर्माण योजनाओं को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन सुरंग निर्माण में अनुभवी विशेषज्ञों का निर्देशन और सुरक्षा प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाना बहुत जरूरी है। देखा गया है कि देश में ज्यादातर योजनाओं में सुरंग निर्माण के कार्यों की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों की निगरानी में स्वतंत्र रूप से निबाही जा रही है। अक्सर यह संस्थान पेशेवर तरीकों को न अपनाकर अपने फायदे के मद्देनजर शॉर्टकट अपनाते हैं। उसी का नतीजा ऐसे हादसों का कारण बनता है। सुरंग निर्माण विशेषज्ञ और कोंकण रेलवे के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर विनोद कुमार का कहना बिलकुल सही है कि देश में बढ़ती सुरंग निर्माण की परियोजनाओं को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि एक ऐसा संस्थान बनाया जाना चाहिए जो सुरंग निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर साल तकनीकी आडिट करे। तभी हम हादसों को रोक पाएंगे। इस सबमें ईमानदारी सबसे बडी शर्त है।

भारत में सुरंग निर्माण की सभी अति आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता मौजूद है। अन्य विकसित देशों के मुकाबले मौजूदा समय में हमारे देश में सबसे ज्यादा सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। जहां तक सिलक्यारा सुरंग हादसे का सवाल है, ऐसी स्थिति में मलबा बाहर निकालने से संकट और बढ़ जाता है। ऐसे हालात में बचाव एजेंसियां हड़बडाहट में यही रास्ता अपनाती हैं। इस बारे में सरकार को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। सुरंग निर्माण में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यों को अंजाम देने पर सभी सुरंग विशेषज्ञ बल देते हुए कहते हैं कि सुरंग निर्माण में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तीन किलोमीटर से अधिक लम्बी सुरंग पर एस्केप पैसेज होना लाजिमी है जो हर 375 मीटर पर मुख्य सुरंग से जुडी होनी चाहिए ताकि आपात स्थिति में सुरंग के अंदर फंसे लोगों को सावधानी पूर्वक बाहर निकाला जा सके। यह सब मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य किये जाने पर ही संभव होता है। इससे सुरंग निर्माण के समय और बाद में भी किसी खतरे की संभावना नहीं रहती है। यह कहना है रेल विकास निगम लिमिटेड के मुख्य परियोजना प्रबंधक अजीत कुमार यादव का। उत्तराखण्ड मैट्रो रेल कारपोरेशन के डायरेक्टर प्रोजेक्ट एण्ड प्लानिंग ब्रजेश कुमार की मानें तो जियो टैक्नीकल इन्वैस्टीगेशन सुरंग निर्माण में सबसे अहम होती है जो सुरंग की खुदाई के बाद उसके कितने समय तक टिके रहने की गारंटी है। सुरंग निर्माण के समय यदि मलबा या मिट्टी आ जाय या फिर पानी रिसना शुरू हो जाय तो यह खतरे का संकेत है। अक्सर दुर्गम इलाकों में अनुभवी इंजीनियर नहीं मिल पाते। उनके अनुसार सुरंग निर्माण में निर्माणकर्ता ऐजेंसी का ट्रैक रिकार्ड अहम होता है। सुरंग निर्माण में आयी चुनौतियों का बाईपास समाधान ऐसे संकट को बढा देता है। हादसों के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन न किया जाना इसका सबसे बडा कारण है।

हिमालयी क्षेत्र में जारी जल एवं पन बिजली परियोजनाएं, पर्यटन को बढावा देने के निमित्त बन रही आल वैदर रोड, चार धाम यात्रा मार्ग, रेल मार्ग के निर्माण हेतु सुरंगों का निर्माण, देवदार के लाखों पेडों का कटान हिमालय को खण्ड-खण्ड कर रहे हैं जिसके बारे में पर्यावरणविद एवं भूगर्भ विज्ञानी बरसों से चेता रहे हैं कि यह सब क्रियाकलाप पर्यावरण विनाश के प्रतीक हैं। पर्यावरणविद् पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी कहते हैं कि हिमालय से पूरा देश जुडा है। दूसरे राज्यों को भी इसकी चिंता करनी चाहिए। आपदायें सचेत कर रही हैं कि जाग जाओ। यह चेतने का समय है। सरकारों को भी हिमालय के प्रति सजग होना होगा। यदि बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और बदली परिस्थितियों में हिमालय की अनदेखी हुयी तो हिमालय को दरकते देर नहीं लगेगी। इसलिए समय की मांग है कि हिमालय जिन संकटों से जूझ रहा है, उन्हें देश के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

चुनावी लहर बनाम अंडर करंट!

प्रभात गोस्वामी
व्यंग्यकार

उत्तराखंड की एक टनल में फंसे श्रमिकों को सत्रह दिन बाद घुटन भरे वातावरण से खुली हवा में मुस्कराने का अवसर मिल गया। उधर चुनावी टनल में फंसे लोकतंत्र के श्रमवीरों को करीबन छप्पन से साठ दिनों के अनिश्चय के बाद, तीन दिसम्बर को बाहर निकलने का अवसर मिलने वाला है।

कुछ मुस्कराएंगे, कुछ रोएंगे और कुछ गुदगुदाएंगे। यह दीगर है कि सत्तर सालों के बाद भी; आम आदमी मंहगाई,बेरोज़गारी,गरीबी,पिछड़ेपन की टनल से बाहर नहीं निकल पा रहा है। इस दौरान सभी हुक्मरान उससे बातचीत करते हुए,उसे बाहर निकालने का आश्वासन अवश्य दे रहे हैं। बहरहाल। पांच राज्यों में चुनावी संघर्ष अब परिणामों की दहलीज पर पहुंचने की तैयारी में है। अंतिम परिणामों से पूर्व अचानक कुछ अर्थशास्त्री भी अब चुनावी घोषणा-पत्रों की समीक्षा करने में जुट गए हैं।

अब वह यह बता रहे हैं कि इन घोषणाओं को पूरा करने के लिए धन कहां से आएगा? नई सरकारों के सामने आर्थिक संकट आने वाला है। क्या आमदमी मुफ्त की रेवड़ियों के स्वाद से वंचित होने के दुःख में डूबने वाला है? उधर, सभी दल जीत के दावे कर रहे हैं। कोई कह रहा है कि हमारी लहर चल रही है। कोई अपना अंडर करंट बता रहा है। लहरों के राजहंस फिर से कुलाचें भरने को तैयार हो रहे हैं। वहीं अंडर करेंट वाले अपने प्रतिपक्षियों के फ्यूज उड़ाने के दावे कर रहे हैं। इन सब से इतर एक चिंता पंडित सेफोलोजिस्ट्स पहले से ही बढ़ा देते हैं। देश में एग्जिट पोल- मतगणना से पूर्व जो ऊपरी करंट छोड़ते हैं, उसके झटके परिणाम से पूर्व ही झेलने पड़ते हैं, जिसके पक्ष में परिणामों के अनुमान आते हैं, वह ढोल-नगाड़े पीटने लगते हैं। हारने के अनुमानों पर धागड़पीटा करते हुए, इनके फेल होने के उदाहरणों को कुरेद-कुरेद कर बाहर लाते हैं।

एक तरफ दावे किए जाते हैं कि मरुधरा में बारिश की कमी की वजह से तालाबों में पानी ही नहीं होता; तो भला लहर कहां चलेगी। हवा भी यहां गर्म ही बहती है। दूसरी तरफ के दावे कि, भैया बिजली की कमी के चलते कटौती से बाहर ही करेंट नहीं तो अंडर करेंट कहां से आएगा? बहरहाल, मतगणना तक दलों को काटे नहीं कटते, दिन ये रात, गाना बहुत परेशान कर रहा है। किसी को अच्छे तो किसी को बुरे सपने आते हैं। कुछ राजनीतिक बिल्लियों की छींके टूटने की उम्मीद भी बलखाती है। मतदान के बाद चुनावी विशेषज्ञों की भीड़ अचानक बढ़ जाती है। यहां ट्रैफिक कण्ट्रोल भी काम नहीं करता। सब अपने-अपने परिणाम गढ़ते हैं. सोशल मीडिया की दीवार पर चिपका देते हैं। ज़मीन-असमान पर ये परिणाम रंग-बिरंगी पतंगों जैसे मज़े दे रही हैं।

जैसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पांच साल में एक बार चुनावी ड्यूटी में अधिकारी बनने का अवसर मिलता है। वैसे ही आमजन को चुनावी पंडित बनने का मौका मिलता है। लोकतंत्र के इस महापर्व में सबको कुछ न कुछ करने का अवसर मिलता है। चुनाव के समय अस्थायी तौर पर अलग मौसम विभाग खुलता है, जो हवा का रुख,वोटों की बारिश और सूखे की घोषणा करता है। वहीं, चुनावी बिजलीघर अंडर करेंट की घोषणा करता है

नॉलेज कॉर्नर: अंडमान निकोबार में मौजूद हैं दो ज्वालामुखी

पूरी दुनिया में है सुपर वॉलकेनो की चर्चा

दुनिया में ऐसे कई ज्वालामुखी हैं जो कई रहस्यों से भरे हैं। ये ज्वालामुखी शोध का विषय है होने के साथ मानव जाति के लिए खतरा भी हैं। इंटरनेट हो या सोशल मीडिया इन दिनों हर जगह सुपर वॉलकेनो की चर्चा हो रही है। हर इंसान जानना चाहता है कि इस ज्वालामुखी में ऐसा क्या है कि दुनिया इससे डरी हुई है। भारत में दो ज्वालामुखी है, पहला - बैरन ज्वालामुखी जो बैरन द्वीप अंडमान निकोबार दीप समूह में मध्य अण्डमान के पूर्व में अवस्थित हैं। दूसरा- नारकोंडम ज्वालामुखी जो अंडमान निकोबार दीप समूह के उत्तर अण्डमान के पूर्व में है। बैरन ज्वालामुखी- सक्रिय या जागृत ज्वालामुखी है। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं खतरनाक ज्वालामुखी के बारे में...

क्यों फटते हैं ज्वालामुखी

ज्वालामुखी एक तरह का पहाड़ होता है जिसके नीचे ढेर सारा पिघला हुआ लावा होता है। दरअसल, पृथ्वी के भीतर जियोथर्मल एनर्जी भारी मात्रा में होती है। ऐसे में इस एनर्जी के कारण पत्थर पिघल कर लावा में बदल जाता है। यही लावा जब ऊपर की ओर दबाव बनाता है तो पहाड़ फट जाता है और वह ज्वालामुखी कहलाता है। विज्ञान की भाषा में इसे समझना चाहते हैं तो इसे ऐसे समझिए कि पृथ्वी के भीतर जब टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में घर्षण करते हैं तो उससे

उत्पन्न होने वाली एनर्जी से पत्थर पिघलने लगते हैं, फिर यही पिघले हुए पत्थर और गैस ऊपर की ओर दबाव पैदा करते हैं जिससे पहाड़ फट जाता है और ज्वालामुखी में बदल जाता है।

ऐसे बनता है

सुपर वॉलकेनो जैसा ज्वालामुखी तब बनता है जब किसी जगह पर 240 घन मील से अधिक सामग्री में विस्फोट हुआ हो। इटली के कैम्पी फ्लेग्रेरी के साथ ऐसा ही है। यही वजह है कि इसे सुपर वॉलकेनो कहा जाता है। आपको बता दें, आखिरी बार ये ज्वालामुखी साल 1538 में हुआ था। ये विस्फोट इतना खतरनाक था कि इसकी वजह से नेपल्स की खाड़ी में एक नया पहाड़ बन गया था। इस प्रकार के ज्वालामुखी के फटने से करीब 200 किलोमीटर के दायरे में आने वाला भू-भा पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। कितना प्रभावित होगा इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

सबसे अधिक सक्रिय है ये ज्वालामुखी

जिसे दुनिया सुपर वॉलकैनो कह रही है, उसका असली नाम कैम्पी फ्लेग्रेरी है। ये ज्वालामुखी दुनिया के 20 सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। कैम्पी फ्लेग्रेरी लगभग 12 से 15 किलोमीटर के एरिया में फैला हुआ है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौद

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
दुबई के लिए रवाना हो रहा हूं, जहां मैं सीओपी-28 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लूंगा। यह मंच जलवायु परिवर्तन पर काबू पाने और सतत विकास को आगे बढ़ाने के प्रयासों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण विचार-विमर्श का गवाह बनेगा।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
गतिविधि और अभिव्यक्ति में, प्रत्येक मनुष्य भिन्न हो सकता है। लेकिन आवश्यक जीवन की दृष्टि से प्रत्येक मनुष्य एक समान है।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
आइए यह सुनिश्चित करें कि हम उन्हें धैर्यपूर्वक सुनने और उन्हें तथा उनकी जरूरतों को समझने के बाद ऐसा करें।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव: तेलंगाना में 119 सीटों के लिए हुआ चुनाव, 3 दिसंबर को होगी मतगणना

2,290 प्रत्याशियों का भाग्य EVM में बंद

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना की 119-सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में गुरुवार को 64 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री पुत्र के. टी. रामाराव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और भाजपा के लोकसभा सदस्यों- बंडी संजय कुमार तथा डी. अरविंद समेत करीब 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने बताया कि एक या दो जगहों पर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और उनकी पत्नी के. शोभा ने सिद्दीपेट में चिनरामाडाका गांव में मतदान किया। केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव, उनकी बहन और विधान पार्षद के. कविता, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने सुबह सात बजे मतदान आरंभ होने के बाद शुरुआती घंटों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चिरंजीवी, वेंकटेश और अल्लू अर्जुन सहित कई फिल्मी हस्तियों ने भी सुबह मतदान किया।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित सीटों पर चार बजे तक हुआ मतदान

हैदराबाद। तेलंगाना की वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित 13 विधानसभा सीटों पर गुरुवार शाम चार बजे मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। अधिकारियों ने बताया कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित सीटों पर मतदान शाम चार बजे समाप्त होना था, लेकिन जो लोग मतदान समाप्ति के समय कतार में थे, उन्हें अपना वोट डालने की अनुमति दी गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन इलाकों में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने संवाददाताओं को बताया कि एक-दो स्थानों पर मामूली झड़पों को छोड़कर सभी केंद्रों पर मतदान किसी भी समस्या के बिना संपन्न हुआ।

चुनाव में किस पार्टी के कितने उम्मीदवार

सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति ने राज्य की सभी 119 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा और उसकी सहयोगी जनसेना क्रमश: 111 और आठ सीट पर किस्मत आजमा रही हैं, वहीं कांग्रेस ने 118 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं और एक सीट भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) को दी है। ओवैसी की पार्टी ने हैदराबाद की नौ विधानसभाओं में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं।

एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं: उमा भारती

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने गुरुवार को कहा कि वह एग्जिट पोल पर 'भरोसा' नहीं करतीं। तेलंगाना में मतदान समाप्त होने के बाद शाम को पांच राज्यों के एग्जिट पोल प्रसारित किया गया। इन पांच राज्यों में सात नवंबर (मिजोरम और पहला चरण छत्तीसगढ़), 17 नवंबर (मध्य प्रदेश), 25 नवंबर (राजस्थान) और 30 नवंबर (तेलंगाना) में विधानसभा चुनाव हुए हैं। उमा भारती ने संवाददाताओं से कहा कि मैं चाहती हूं कि मेरी पार्टी मध्य प्रदेश में सरकार बनाए। मैं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बहुत सम्मान करती हूं। एग्जिट पोल के बारे में पूछे जाने पर भारती ने कहा कि एग्जिट पोल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसलिए मैं उन पर भरोसा नहीं करती।

इस साल शुरू होगी 188 इंदिरा कैंटीन

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने गुरुवार को कहा कि आम जनता के लिए इस साल 188 अतिरिक्त इंदिरा कैंटीन शुरू की जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा संचालित इंदिरा कैंटीन में लोगों को रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इंदिरा कैंटीन में पांच रुपए में नाश्ता और 10 रुपए में दोपहर/रात का भोजन परोसा जाता है। सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इससे पहले, हमने बेंगलुरु में 197 इंदिरा कैंटीन शुरू की थीं। इस बार इन्हें बेंगलुरु के 225 वार्डों में शुरू किया जाएगा। इसके अलावा जहां जरूरत होगी, वहां कैंटीन शुरू की जाएगी।

राहुल गांधी ने वायनाड में की प्रदेश सरकार की योजना की तारीफ

'सत्ता में आए तो राजस्थान की तरह पूरे देश में लागू करेंगे स्वास्थ्य बीमा योजना'

एजेंसी | वायनाड (केरल)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान सरकार द्वारा गरीबों के लिए शुरू किए गए स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की तारीफ करते हुए गुरुवार को कहा कि यदि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आई तो पूरे देश में ऐसी योजना लागू की जाएगी।

राहुल गांधी ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में असमानता का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न लोग बड़े अस्पतालों में बेहतरीन इलाज करवा सकते हैं, वहीं वित्तीय संसाधनों के अभाव में लोगों को कैंसर और हृदय रोग जैसी बीमारियों से निपटने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के सुल्तान बथेरी में स्थित एक निजी अस्पताल के नए खंड के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार को गरीबों को बुनियादी गारंटी के तौर पर किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमें स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के बारे में सोचने के अपने तरीके पर राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्विचार करना होगा।

राहुल ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की तारीफ करते हुए इसे पूरे देश के लिए 'मॉडल' बताया। उन्होंने कि इसके तहत मेडिकल कवरेज 50 लाख रुपए तक बढ़ाने से गरीबों और मध्यम वर्ग दोनों को लाभ मिलेगा।

BJP-जजपा सरकार चुनाव से पहले ही मान चुकी है हार: हुड्डा

जींद (हरियाणा)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य की भाजपा-जजपा की गठबंधन सरकार ने चुनाव से पहले ही अपनी हार मान ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की गठबंधन सरकार केवल विज्ञापन, अखबारी और सरकारी प्रचार तक सीमित रह गई है जबकि जनता के दिलों में कांग्रेस बसती है। हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा जींद में जिला बार एसोसिएशन के नए पुस्तकालय कक्ष का उद्घाटन करने आए थे।

केजरीवाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को दिल्ली में डीजेबी मुख्यालय पर दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए केजरीवाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव

EC ने कसी नकेल, चुनावों में 2,000 करोड़ से अधिक की जब्ती

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए कई मौकों पर सख्ती बरती गई। अधिकारियों ने इस दौरान मुफ्त में बांटी जाने वाली बहुत सी चीजें, ड्रग, नकदी और शराब जब्त की जिनकी कीमत 2000 करोड़ से अधिक है तथा इनका इस्तेमाल मतदाताओं को लुभाने के लिए किया जाना था।

चुनाव आयोग के अनुसार, मिजोरम, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव अवधि के दौरान 2000 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई जो 2018 विधानसभा चुनावों की तुलना में सात गुना अधिक थी। आयोग ने कहा कि पहली बार इस्तेमाल की गई चुनाव जब्ती प्रबंधन प्रणाली ने प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय की सुविधा प्रदान की।

कई प्रमुख नेताओं को जारी किया नोटिस

चुनाव मशीनरी की शिकायतों और सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने कई प्रमुख नेताओं को कारण बताओ नोटिस और सलाह जारी की कि वे आचार संहिता के प्रावधानों का पालन करें। प्रतिद्वंद्वी दलों की शिकायतों के आधार पर आयोग ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख तथा तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी किया। बाद में उन्हें एक परामर्श जारी किया गया और आदर्श आचार संहिता का अक्षरश: पालन करने को कहा गया। हाल ही में चुनाव आयोग ने तेलंगाना के अखबारों में अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने वाले विज्ञापनों पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था। कर्नाटक के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए उससे पूर्व मंजूरी नहीं ली, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है।

आचार संहिता के उल्लंघन पर चुनाव आयोग ने लिया एक्शन

तेलंगाना के वित्त मंत्री हरीश राव द्वारा 'रायथु बंधु' योजना के तहत किस्त जारी करने के बारे में घोषणा किए जाने को आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। आयोग ने प्रदेश में रबी फसलों के लिए किसानों को वित्तीय सहायता के वितरण के लिए तेलंगाना सरकार को दी गई अनुमति वापस ले ली। निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार को कुछ शर्तों के आधार पर आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान रबी फसलों के लिए किस्त का भुगतान करने की मंजूरी दे दी थी। आयोग ने सरकार से पांच दिसंबर तक इन पांच राज्यों में योजनाओं और पहलों पर अपने व्यापक संपर्क कार्यक्रम, प्रस्तावित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को रोकने के लिए भी कहा था। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया था कि आदर्श आचार संहिता लागू होने तक यात्रा चुनाव वाले राज्यों को कवर नहीं करेगी।

ईडी के सामने पेश हुए मंत्री पोनमुडी

चेन्नई। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी गुरुवार को पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुए। सूत्रों के मुताबिक द्रमुक के वरिष्ठ नेता पोनमुडी यहां चेन्नई में ईडी के कार्यालय में पेश हुए। ईडी ने कथित अवैध रेत खनन से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में जुलाई में पोनमुडी के साथ-साथ उनके बेटे एवं सांसद गौतम सिगमानी से जुड़ी संपत्तियों की तलाशी ली थी। पोनमुडी से ईडी के अधिकारी पहले भी पूछताछ कर चुके हैं।

विद्यार्थियों ने एड्स के प्रति किया जागरूक

मुरादाबाद। विश्व एड्स दिवस से एक दिन पहले गुरुवार को स्कूली छात्र 'लाल रिबन' बनाकर खड़े हैं, जो एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए जागरूकता और समर्थन का सार्वभौमिक प्रतीक है। -पीटीआई

दुनियाभर में 39 लाख लोग एड्स से ग्रसित

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व एड्स दिवस के मौके पर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र और पूरी दुनिया में सदस्य देशों, भागीदारों और समुदायों का आह्वान किया है कि 2030 तक एड्स के उन्मूलन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए साझेदारी मजबूत करते रहें और समुदायों को सशक्त बनाएं। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि दुनियाभर में करीब 3.9 करोड़ लोग एचआईवी के साथ रह रहे हैं। साल 2022 में करीब 13 लाख लोग एचआईवी से ग्रस्त हुए थे और करीब 6,30,000 लोगों की एड्स से संबंधित कारणों से मृत्यु हो गई। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में करीब 39 लाख लोग एचआईवी ग्रस्त हैं जो दुनियाभर में इस बीमारी के शिकार लोगों का लगभग 10 प्रतिशत हैं। डॉ. खेत्रपाल सिंह ने कहा कि पिछले साल 1,10,000 लोगों को एचआईवी का संक्रमण हुआ था और क्षेत्र में 85,000 लोगों की एड्स से संबंधित कारणों से मृत्यु हो गई।

जरूरी खबर

संसद सत्र से पहले कल होगी सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से शुरू होगा और इसका 22 दिसंबर तक चलना प्रस्तावित है। इस दौरान 15 बैठकें होंगी। इसमें कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की जा सकती है। इनमें ब्रिटिश कालीन तीन अपराध कानूनों - भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लाए गए विधेयक भी शामिल हैं। संसद के शीतकालीन सत्र में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के आरोपों पर आचार समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की जाएगी। समिति की उन्हें निष्कासित करने की सिफारिश तभी प्रभाव में आ सकती है, जब सदन रिपोर्ट को स्वीकार करेगा।

भाजपा को 720 करोड़ रुपए का मिला चंदा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनियों, चुनाव ट्रस्ट, व्यक्तियों और उसके सांसदों से लगभग 720 करोड़ रुपए का चंदा मिला। इस साल अक्टूबर में निर्वाचन आयोग में दाखिल की गई और निर्वाचन आयोग द्वारा गुरुवार को सार्वजनिक की गई चंदा रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ दल भाजपा को 719.83 करोड़ रुपए का चंदा मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारती एंटरप्राइजेज समर्थित 'प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट' ने 254.75 करोड़ रुपए का चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रस्ट द्वारा चंदा कई किस्तों में दिया गया। राजनीतिक दलों को हर साल एक वित्तीय वर्ष में 20,000 रुपए से अधिक का चंदा देने वालों का विवरण निर्वाचन आयोग को जमा करना होता है।

लश्कर मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो जने गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ की टीम के साथ मिलकर लश्कर/टीआरएफ के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आतंकवादियों के सहयोगी परवेज अहमद और शौकत अहमद के खुलासे पर एक जंगल से हथियार बरामद किए हैं। इस संबंध में हंदवाड़ा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

भारतीय वायुसेना की ताकत में होगा इजाफा

97 तेजस विमान और 150 प्रचंड हेलिकॉप्टर्स की खरीद को मंजूरी

■ हवा में सेना की और बढ़ेगी ताकत...

बेधड़क | नई दिल्ली

भारतीय सेना की ताकत पहले से अब और ज्यादा बढ़ने वाली है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार को सशस्त्र बलों की लड़ाकू क्षमता को बढ़ावा देने के लिए 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों और लगभग 150 प्रचंड हेलिकॉप्टर की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी है।

सूत्रों ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने अपने सुखोई-30 लड़ाकू बेड़े को उन्नत करने के लिए भारतीय वायु सेना के एक प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। मेगा खरीद परियोजनाओं और सुखोई-30 उन्नयन कार्यक्रम से सरकारी खजाने पर 1.3 लाख करोड़ रुपए की लागत आने की उम्मीद है।

उम्मीद है कि रक्षा मंत्रालय जल्द ही डीएसी द्वारा मंजूर परियोजनाओं का विवरण प्रदान करेगा। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार को 1.3 लाख करोड़ रुपए के पैकेज के हिस्से के रूप में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए 97 तेजस लड़ाकू जेट और 156 प्रचंड हेलिकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डीएसी ने 84 सुखोई-30 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने की भारतीय वायुसेना की योजना को भी हरी झंडी दे दी।

आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी

यह मंजूरी ऐसे समय दी गई है, जब भारत पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ कई स्थानों पर सैन्य गतिरोध में उलझा हुआ है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2.23 लाख करोड़ रुपए की कुल खरीद का 98 प्रतिशत घरेलू उद्योगों से लिया जाएगा। इससे रक्षा उद्योग में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

क्या है खासियत?

एलसीए मार्क 1-ए तेजस हल्के लड़ाकू विमान में 65 प्रतिशत से अधिक स्वदेसी कॉम्पोनेंट्स हैं। इसकी उल्लेखनीय विशेषताओं में स्वदेशी रूप से विकसित एक्टिव इलेक्ट्रॉनिक स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार, विजुअल रेंज से परे (बीवीआर) मिसाइल क्षमताएं, एक सोफिस्टिकेटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और हवा से हवा में ईंधन भरने में सक्षम हैं। विमान का निर्माण एचएएल द्वारा किया जा रहा है। सुखोई 30 लड़ाकू विमानों की पूरी अपग्रेड प्रक्रिया भी देश में ही की जाएगी।

भारत-चीन सैन्य वार्ता करने पर हुए सहमत

नई दिल्ली। भारत और चीन ने गुरुवार को शेष मुद्दों का समाधान करने और पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पूर्णतः पीछे हटाने के प्रस्तावों पर 'रचनात्मक' कूटनीतिक वार्ता की, लेकिन इसमें कोई बड़ी सफलता प्राप्त होने का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने 'उद्देश्य' हासिल करने के लिए वरिष्ठ कमांडरों की बैठक का अगला दौर जल्द आयोजित करने का फैसला किया और जमीन पर स्थिर स्थिति सुनिश्चित करने तथा किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। यह वार्ता डिजिटल तरीके से भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्य तंत्र ढांचे के तहत हुई। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव गौरांगलाल दास ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। चीनी दल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय में सीमा एवं समुद्री मामलों के महानिदेशक ने किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी से लगे क्षेत्र में स्थिति की समीक्षा की और शेष मुद्दों का समाधान करने एवं पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पूर्णतः पीछे हटाने के प्रस्तावों पर खुली, रचनात्मक और गहन चर्चा की। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्ष सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने, जमीन पर स्थिर स्थिति सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

सीओपी-28 में करेंगे शिरकत

दुबई के लिए रवाना हुए पीएम मोदी

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीओपी-28 विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई की यात्रा पर रवाना हो गए। इससे पहले पीएम मोदी ने गुरुवार को विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का आह्वान किया।

विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि जब जलवायु कार्रवाई की बात आती है तो भारत ने जो कहा है वह करके दिखाया है। उन्होंने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा इस मुद्दे को दिए गए महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जी-20 की हमारी अध्यक्षता के दौरान जलवायु हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर थी।

नयी दिल्ली घोषणापत्र में जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर कई ठोस कदम शामिल हैं। मैं इन मुद्दों पर आम सहमति को आगे ले जाने के लिए सीओपी-28 में उम्मीद करता हूं। सीओपी-28 संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक हो रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने बयान में कहा कि सीओपी28 पेरिस समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करने और जलवायु कार्रवाई पर भविष्य के कदम के लिए रास्ता तैयार करने का अवसर प्रदान करेगा।

हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्रों और अन्य ऊंची पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी हुई है जबकि मध्य और निचली पहाड़ियों पर तेज और बर्फीली हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश होने से राज्य के अधिकांश हिस्से शीत लहर की चपेट में हैं। ऊना में सबसे ज्यादा 28 मिमी बारिश हुई। इसके बाद डलहौजी में 19 मिमी, बंगाणा में 15 मिमी, भुंतर में 10 मिमी, कांगड़ा और चंबा में 9.5-9.5 मिमी, घमरूर में 9 मिमी, कांगड़ा में 7.3 मिमी, धर्मशाला और भरमौर में 5-5 मिमी, जोगिंदरनगर और नादौन में 3-3 मिमी में बारिश हुई। दिन के अधिकतम तापमान में कुछ डिग्री की गिरावट आई और यह सामान्य से पांच से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

उच्चतम न्यायालय ने कहा...

बतौर कुलाधिपति निर्णयों के समर्थन के लिए 'रबड़-स्टाम्प' नहीं राज्यपाल

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में गोपीनाथ रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति को रद्द करते हुए कुलाधिपति के रूप में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की भूमिका पर अप्रसन्नता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में वह कहीं और लिए गए फैसले या किसी निर्णय का महज समर्थन या अनुमोदन करने के लिए 'रबड़ स्टांप' नहीं हो सकते। न्यायालय ने इस तथ्य की आलोचना की कि कुलाधिपति का कार्यालय, जो ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के लिए अधिकृत है, राज्य सरकार को 'अनुचित हस्तक्षेप' करने देता है।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने अदालत द्वारा उठाए गए सवाल पर सकारात्मक जवाब दिया कि 'क्या कुलाधिपति ने कुलपति की पुनर्नियुक्ति की अपनी वैधानिक शक्ति को त्याग दिया या अपनी जिम्मेदारी सौंप दी।' केरल के राज्यपाल ने तिरुवनंतपुरम में फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर रवींद्रन को कुलपति के रूप में फिर से नियुक्त करने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। खान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु को दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि विजयन ने ही रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति के लिए उनका इस्तेमाल किया था।

हां में हां मिलाने वाला नहीं: राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि वह कोई 'रबर स्टांप' या 'हां में हां मिलाने वाले' व्यक्ति नहीं हैं, जो अपना दिमाग लगाए बिना राज्य विधानसभा की ओर से पारित विधेयकों पर अपनी मंजूरी दे देंगे। खान ने कहा कि जब कोई अध्यादेश या विधेयक उनके सामने आता है, तो वह यह पता लगाने के लिए अपना दिमाग लगाते हैं कि यह संवैधानिक और कानूनी रूप से सही है या नहीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं इसका तुरंत निस्तारण कर दूंगा। लेकिन जहां वे (सरकार) संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उनकी स्वायत्तता को नष्ट करने के लिए कानून की शक्ति का इस्तेमाल करते हैं और संविधान की भावना के खिलाफ जाते हैं तो वे मुझसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं उनकी हां में हां मिलाऊं।

शीर्ष अदालत ने 72 पन्नों में दिया अपना फैसला

शीर्ष अदालत ने 72 पन्नों के अपने फैसले में कहा कि कानून के नियम के लिए आवश्यक है कि वैधानिक शक्ति उस निकाय या प्राधिकार में निहित हो, जहां कानून ऐसा प्रदान करता है, इसी तरह, वैधानिक कर्तव्य का निर्वहन उस निकाय या प्राधिकार की जिम्मेदारी है जिसे यह सौंपा गया है। वह निकाय या प्राधिकारी कहीं और लिए गए फैसले पर केवल मुहर नहीं लगा सकता या महज किसी अन्य के निर्णय का समर्थन या अनुमोदन नहीं कर सकता।" शीर्ष अदालत ने एक अपील पर अपना फैसला सुनाते हुए रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति को बरकरार रखने वाले केरल उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ और खंडपीठ के फैसले को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए डॉ. प्रेमचंद्रन कीजोथ और अन्य ने अपील दायर की थी। अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की स्वतंत्र शक्तियों पर विस्तार से विचार करते हुए रवींद्रन की पुनर्नियुक्ति के लिए घटनाक्रम का उल्लेख किया और खान द्वारा इस मुद्दे को संभालने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वह महज 'पद के हिसाब से प्रमुख' नहीं हैं। पीठ ने कहा कि तथ्य यह स्पष्ट करते हैं कि कुलाधिपति की ओर से स्वतंत्र रूप से विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया या संतुष्टि से निर्णय नहीं लिया गया था और प्रतिवादी नंबर 4 को केवल राज्य सरकार के आदेश पर फिर से नियुक्त किया गया था।" जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया कि कुलाधिपति को अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन कानून के अनुसार और अपने निर्णय के आदेशों द्वारा निर्देशित करना था, न कि किसी और के आदेश पर। कानून वैधानिक विवेक के प्रयोग में ऐसे किसी भी अतिरिक्त संवैधानिक हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देता है।

पद्मश्री रानी माचय्य, मोहम्मद-अहमद हुसैन और नेकराम शर्मा को मानद उपाधि

स्वर लहरियों के बीच मिले मेडल और डिग्रियां, ...तो चेहरों पर आई मुस्कान

बेधड़क.जयपुर। जब पदमश्री से नवाजी जा चुकी हस्तियों को जयपुर के मंच पर मानद उपाधि से नवाजा गया तो सामने बैठे युवा रोमांचित नजर आए। फिर उन्होंने अपनी जर्नी शेयर की और साथ ही अनुभव सुनाते गए तो युवा मोटिवेट होते गए। कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य करने वालों ने भी एक्सपीरियंस और स्ट्रगल शेयर किए। ये सब देखने को मिला महात्मा ज्योतिराव फुले यूनिवर्सिटी के 8वें दीक्षांत समारोह में। अचरोल कैम्पस में 4 पद्मश्री शख्सियतों को पीएचडी की मानद उपाधियों से नवाजा गया।

फोटो: पंकज शर्मा

2022 बैच के युवाओं को पीएचडी उपाधि

इस अवसर पर 2022 बैच के यूजी-पीजी पासआउट स्टूडेंट्स और पीएचडी धारकों को डिग्री दी गई। एमजेआरपी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बताया कि मुख्य अतिथि राजस्थान के लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा और विशिष्ट अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष रिटायर्ड मेजर जनरल आलोक राज थे। इस अवसर दोनों अतिथियों ने स्टूडेंट्स को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

डिग्री मिली तो खिले चेहरे

चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में पद्मश्री एमुडियंड रानी माचय्य (कर्नाटक), पद्मश्री उस्ताद मोहम्मद हुसैन व अहमद हुसैन (जयपुर) और पद्मश्री नेकराम शर्मा (हिमाचल प्रदेश) को पीएचडी की मानद उपाधि दी गईं। प्रोग्राम में वर्ष 2022 बैच के 1560 पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएशन के स्टूडेंट्स और विभिन्न विषयों में 25 रिसचर्स को पीएचडी की उपाधि देते हुए सम्मानित किया गया। ऐसे में कई वर्षों की तपस्या के बाद स्टूडेंट्स को डिग्री मिली तो खुशी से चेहरे चमक उठे तो कुछ चेहरे भावुक नजर आए। कार्यक्रम में विवि के 65 मेधावी स्टूडेंट्स को गोल्ड, 60 स्टूडेंट्स को सिल्वर मैडल व 15 स्टूडेंट्स को चेयरपर्सन अवॉर्ड से नवाजा गया। डिग्रीधारियों के सम्मान में आरएसी के यूनिट बैंड ने स्वर लहरियां बिखेरी।

मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन पाप

बेधड़क. जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में आचार्य वसुनंदीजी के शिष्य मुनि त्रय सर्वानन्दजी, ज़िनानन्दजी व पुण्या नन्दजी मुनिराज के प्रवास से धर्म प्रभावना की बयार चल रही है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि गुरुवार को प्रातः धर्म सभा में मुनि जिनानंदजी ने अपने प्रवचन में कहा कि यह संयोग है कि आपको सुयोग मिला है, जिसका लाभ लेना आप पर निर्भर है। हर योग के दो पहलू हैं जैसे सुख-दुख, लाभ-हानि,शुभ-अशुभ, पाप-पुण्य। यदि आप शुभ के सम्पर्क में हैं तो लाभ ही लाभ है। मनुष्य का दुश्मन पाप है जिनका क्षय प्रायश्चित से ही संभव है। दिन में स्वाध्याय व शाम को आरती का कार्यक्रम हुआ। सभा में दीप प्रज्वलन प्रकाश गंगवाल ,सुरेश काला व सोनिया बांदीकुई द्वारा किया गया। आदर्श नगर मंदिर से पधारे पंकज नवलखा आदि ने मुनिसंघ को प्रवास के लिए श्रीफल भेंट किया। साथ ही त्रिवेणी से महावीर प्रसाद व मीरा मार्ग से राजेंद्र झंडावाला भी सभा में उपस्थित रहे।

दिग्गजों से रूबरू हुए युवा

बेधड़क. जयपुर। युवा 94 दिनों में 80 से ज्यादा ग्लोबल कंपनीज के विशेषज्ञों से रूबरू हुए। अमेजन, सेलेबल टेक्नोलॉजी, आईबीएम, यामाहा, फ्लिपकार्ट, टाटा, मिंत्रा, कोटक महिंद्रा खास रहे। मौका था जेईसीआरसी में प्लेसमेंट मेले का। ऐसे में जयपुर के युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों को अपना लोहा मनवाया। प्लेसमेंट फिएस्टा में उन्होंने अपनी शून्य से शिखर तक की कहानियां साझा कीं और बताया कि किस तरह उनके ख्वाबों को नए पंख लगे। वाइस चेयरपर्सन अर्पित अग्रवाल ने कहा कि ये उपलब्धियां युवाओं की मेहनत से मिली हैं। हम हर बार अलग तरह की रणनीति पर काम करते हैं।

HIV के प्रति किया अवेयर

बेधड़क. जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना व एचडीएफसी बैंक, परिवर्तन संस्था, सुमन ब्लड बैंक की ओर से रक्तदान शिविर व विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान से समाज को सेवा प्रदान करना था व युवाओं को इसके महत्व पर जागरूक करना शामिल रहा। अब शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब के युवा जनसमूह के बीच एचआईवी वायरस-एड्स विषय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करेंगे। इसके लिए पोस्टर-निर्माण प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, फेस-पेंटिंग प्रतियोगिता व रंगोली निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि इस प्रयास से न केवल रक्तदान में वृद्धि होगी, बल्कि युवा जनसमूह को एड्स से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता मिलेगी। उप-प्राचार्य (विज्ञान) डॉ. रंजना अग्रवाल द्वारा रक्तदान कर छात्राओं को प्रोत्साहित किया। शिविर में 93 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आंचल पुरी, विजय लक्ष्मी गुप्ता, डॉ. रेणु शक्तावत, डॉ. प्रगति नाटाणी व महिमा रामचंदानी की भूमिका रही।

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बेधड़क. जयपुर। बाल कलाकारों ने विभिन्न ग्रेड की परीक्षाओं में बेहतरीन प्रस्तुतियों से स्कोर बनाया। कोविड के बाद ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ लंदन के जयपुर चैप्टर की ओर से पियानो की विभिन्न ग्रेड के लिए पिछले दिनों परीक्षाओं में बच्चों ने हिस्सा लिया। पियानो की ग्रेड 5 में वेद राठी ने पहला तथा आर्यन मित्तल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रेड चार में अबीर और रविशंकर तथा ग्रेड तीन में आस्था और अनिरुद्ध ने स्कोर किया। इसी तरह ग्रेड दो में खुश, आरव, निहारिका, पर्निका सिद्धी, ग्रेड एक में डॉ. स्लिका, दक्षिता और विनायक ओंकार ने बेहतरीन परफार्म किया। जयपुर के वेस्टर्न क्लासिकल के संस्थान सोल ऑफ सिंफनी निदेशक प्रदीप चतुर्वेदी व मणि चतुर्वेदी ने बताया कि कोविड के बाद बच्चों का संगीत की ओर रुझान बढ़ा है।

City इवेंट्स

एड्स जागरूकता पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या को राजस्थान एड्स कन्ट्रोल सोसायटी के पूर्व परियोजना निदेशक त्वचा एवं यौन रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश माथुर के सानिध्य एड्स पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पोस्टर विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर राजस्थान अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. सर्वेश अग्रवाल एवं उपचेयरमैन डॉ. रविन्द्र सिंह राव, मेजर जनरल डॉ. विजय सारास्वत, डॉ. दिनेश माथुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वीणा आचार्य, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र सिंह राव, श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. शीतू सिंह, डॉ. ऐडी माथुर, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ एसएस सोनी ने एचआईवी एड्स के बारे में जानकारी दी और बचाव के उपाय बताए। वक्ताओं ने बताया कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के साथ अवसरवादी संक्रमण उभरकर आ सकते हैं। अंत में डॉ. दिनेश माथुर ने सभी विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियो को धन्यवाद दिया।

इति ने IFFI में की शिरकत

बेधड़क. जयपुर। एक्ट्रेस, प्रोड्यूसर और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की सांस्कृतिक राजदूत इति आचार्य ने गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया-2023 में भाग लिया। उन्होंने वहां फिल्मों पर विशेषज्ञों से ज्ञान लिया चर्चा की। 'द इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया' 1952 में स्थापित होने के बाद से देश के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक है। इति हॉलीवुड एल्बम लव हर टू मच और कई दक्षिण भारतीय भाषा की फिल्मों कवच, केरल टुडे और कई अन्य फिल्मों में काम के लिए जानी जाती हैं। वे कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी रेड कार्पेट पर वॉक कर चुकी हैं। इस मौके पर उन्होंने बताया कि आईएफएफआई में बड़ा अनुभव रहा। इंटरनेशनल आर्टिस्ट माइकल डगलस और कैथरीन जेटा जोन्स को करीब से देखना खुशी का पल रहा। ऋषभ शेट्टी, विजय सेतुपति, नागा चैतन्य, विजया राघवेंद्र जैसे दिग्गजों से वन टू वन इंटरेक्शन भी किया।

टीबी से बचाव का संदेश

बेधड़क. जयपुर। विश्व तपेदिक रोग (टीबी) दिवस पर जेके लोन अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ की ओर से जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान रैली में नर्सिंग कर्मचारियों ने हाथों में टीबी रोग से बचाव व सावधान रहने के स्लोगन लिए चल रहे थे। साथ ही उन्होंने नारे भी लगाए। हाथों में स्लोगन लिखे हुए चित्र अंकित थे, जो कई संदेश दे रहे थे

कल होगा राजस्थान का सबसे बड़ा पॉलिटिकल शो

'विजन ऑफ राजस्थान' में विशेषज्ञ करेंगे एग्जिट पोल्स की समीक्षा

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में राजस्थान का सबसे बड़ा पॉलिटिकल शो आयोजित किया जाएगा। 'सच बेधड़क मीडिया ग्रुप' की ओर से शनिवार शाम 5 बजे जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) मार्ग स्थित गार्डन थिएटर में होने वाले विजन ऑफ राजस्थान पॉलिटिकल शो आयोजित किया जाएगा।

इस मेगा शो में 'सच बेधड़क मीडिया ग्रुप' के फाउंडर और एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा मौजूद रहेंगे। इस अनूठे शो का 'सच बेधड़क चैनल' पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे जयपुराइट्स ऑन द स्पॉट होने वाली हर एक्टिविटी का सजीव प्रसारण देख सकेंगे। बता दें, राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 की मतगणना और उसके बाद परिणामों की घोषणा 3 दिसंबर को होगी। इसकी पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले इस शो के दौरान परिणामों के अनुमान पर चर्चा के साथ विशेषज्ञों द्वारा राजनीतिक समीक्षा की जाएगी। यह शो ओपन एयर होगा, जिसमें राजस्थान के विकास व निर्माण की चर्चा में प्रदेशवासी अपनी भागीदारी निभाएंगे। दर्शक इस शो में पहुंच कर चर्चा में तो शरीक हो ही सकते हैं। वहीं, 'सच बेधड़क' न्यूज चैनल- टाटा स्काई के चैनल 1186, एयरटेल के चैनल 372, FW रेडिएंट के चैनल 245, आरएम कैबल के चैनल 123, जीटीपीएल के चैनल 986 और डीसीएन के चैनल 987 पर देखा जा सकता है।

युवाओं ने सांसद बन रखा सदन के पटल पर कानून

जयपुर। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में राजस्थान कॉलेज की ओर से राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमन मौर्य ने बताया, कि लगभग 36 युवाओं ने सांसद बनकर भाग लिया और समलैंगिक विवाह अधिनियम संबंधी कानून निजी सदस्य विधेयक के रूप में विपक्ष द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद कुमार शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि इस तरह से युवाओं को संसद की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी मिलती है। युवा संसद के विजेताओं में पहला स्थान अक्षय शर्मा (नितिन गडकरी), दूसरा अंजली (सोनिया गांधी), तीसरा निकिता (निर्मला सीतारमन) का रहा। वहीं, सुरक्षा चौहान (स्मृति ईरानी), अतुल गुप्ता (सुधांशु त्रिवेदी) ने क्रमश चतुर्थ व पंचम पुरस्कार प्राप्त किया।

सेमिनार अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से कन्या कौशल सीरीज शुरू

अब गर्ल्स का होगा सम्पूर्ण विकास, मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

बेधड़क | जयपुर

अब जयपुर में कन्याओं, किशोरियों, युवतियों की शक्तियों को पहचान दिलाई जाएगी। साथ ही उनकी छिपी हुई प्रतिभा व मौलिक गुणों को उभारने के साथ ही राष्ट्र निष्ठा के भाव जगाए जाएंगे। इसके लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से कन्या कौशल सेमिनार की सीरीज शुरू की गई है। सीरीज में साधिका स्तर की विदुषी खंडवा की बेटियों की एक टोली जयपुर में विभिन्न स्थानों पर कन्या कौशल सेमिनार से बेटियों की प्रतिभा को प्रखर बना रही हैं।

13 से 30 साल तक की गर्ल्स होंगी शामिल

शुक्रवार को सिरसी रोड स्थित अलंकार कॉलेज व स्कूल में, शनिवार को कालवाड़ शक्तिपीठ, रविवार को बैनाड़ रोड स्थित बी एल मेमोरियल स्कूल में शिविर होंगे। इनमें 13 से 30 साल तक की युवतियां शामिल होंगी।

छात्राओं को किया आमंत्रित

गुरूवार को गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ के मुख्य ट्रस्टी धर्म सिंह की अगुवाई में गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्कूलों में संपर्क कर छात्राओं को शिविर में आमंत्रित किया। सेमिनार में विभिन्न वक्ताओं की ओर से व्यक्तित्व परिष्कार के गुणों का शिक्षण और प्रशिक्षण देंगे। कन्याओं के स्वयं समूह बनाए जाएंगे। स्वास्थ के लिए योग प्राणायाम करना सिखाया जाएगा। आत्मशक्ति के जागरण के लिए वीरों-वीरांगनाओं, महापुरुषों की गाथाओं के स्वाध्याय लिए प्रेरित किया जाएगा। मानसिक प्रबंधन के लिए सप्ताह में 1 दिन सामूहिक जप-ध्यान और योग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

किशोरों का मार्गदर्शन जरूरी

गायत्री परिवार राजस्थान प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया, कि वर्तमान में जिस तेजी से भौतिकता की चकाचौंध में फंस कर भावी पीढ़ी मार्गभ्रमित होती जा रही है उसे देखते हुए किशोर आयु में उनका मार्गदर्शन करना जरूरी है। किशोरावस्था को नैतिक मूल्यों के विकास व चरित्र निर्माण की दृष्टि से सर्वोत्तम समय माना गया है। इस उम्र में हर व्यक्ति के जीवन में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से भी विलक्षण परिवर्तन होते हैं।

खुशियां चाहे किसी के भी साथ बांट लो, पर दुख भरोसेमंद के साथ ही बांटना चाहिए।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को किया ढेर

दो फिलिस्तीनी हमलावरों ने बरसाई गोलियां, तीन की मौत

एक दिन और बढ़ी युद्धविराम की अवधि

यरुशलम। हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम एक दिन और बढ़ाया गया। इस दौरान गुरुवार को हमास ने 16 बंधकों को रिहा किया, वहीं इजराइल ने कैदियों के एक और समूह को छोड़ दिया।

यह रिहाई इजराइल-हमास युद्धविराम के छठवें दिन हुई है। युद्धविराम के प्रत्येक दिन फिलिस्तीन कैदियों और इजराइली बंधकों को रिहा किया जा रहा है। अब तक कुल 97 बंधकों को रिहा किया जा चुका है। वहीं, बृहस्पतिवार तड़के 30 फिलिस्तीन कैदियों को रिहा किया गया। इस बीच यरुशलम के एक बस स्टॉप पर दो

अब तक 97 इजराइली बंधकों को किया रिहा

फिलिस्तीन हमलावरों की ओर से की गई गोलीबारी में कम से कम तीन इजरायलियों की मौत हो गई, जबकि अन्य आठ घायल बताए जा रहे हैं। इजरायली पुलिस के मुताबिक, फिलिस्तीन आतंकवादी गुरुवार तड़के कार में सवार होकर घटनास्थल पर पहुंचे, उस समय उनके पास एम-16 राइफल और एक हैंडगन मौजूद थी और उन्होंने बस स्टॉप पर मौजूद लोगों पर गोलियां चला दीं। इधर क्षेत्र में दो ऑफ-ड्यूटी सैनिकों और एक सशस्त्र आम नागरिक ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

क्या बोले एंटनी ब्लिंकन

वहीं तेल अवीव का दौरा कर रहे अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का भी बयान सामने आया। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुवार को हुई गोलीबारी आतंकवाद के खतरे की याद दिलाती है जिसका इजरायल और इजरायली हर दिन सामना करते हैं।

गाजा में यहूदियों की कॉलोनी बसाने की तैयारी

इजराइल-फिलिस्तीन के बीच चल रहा युद्ध फिलहाल अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। इस सीजफायर में दोनों ही देशों के बीच कुछ समझौते हुए थे। बंधकों कि रिहाई के बीच, इजराइल ने फिलिस्तीन में एक नया कदम उठाया है। गाजा में इजराइल ने अपनी एक कॉलोनी का निर्माण करना शुरू किया, जिसका उद्घाटन करने के लिए खुद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहुंचे। ओफिर नाम से बन रही इस कॉलोनी को गाजा पट्टी में बनाया जा रहा है।

हत्या की साजिश में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता गिरफ्तार

कनाडा ने चेताया, आरोपों को गंभीरता से ले भारत

एजेंसी | ओटावा

भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रचने के आरोप में अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि हरदीप सिंह निज्जर मामले में कनाडा के आरोपों को भारत को गंभीरता से लेना चाहिए। ट्रूडो ने ओटावा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'अमेरिका से जो खबर आ रही है, उस बात की तरफ इशारा करती है, जो कनाडा शुरू से ही कह रहा है।

भारत सरकार को हमारे साथ मिलकर काम करना चाहिए।' बता दें कि अमेरिका के न्याय विभाग ने बुधवार को भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि निखिल गुप्ता भारत सरकार के एक अधिकारी के संपर्क में था और न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाले भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रच रहा था। जिस व्यक्ति की हत्या की साजिश रची जा रही थी, वह सिखों के लिए अलग देश की मांग कर रहा है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने दावा किया कि सिख अलगाववादी की हत्या की साजिश के आरोपी भारतीय नागरिक ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार किया।

भारत विरोधी चरमपंथियों को दी जगह

ट्रूडो ने कहा, "यह कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे कोई भी हल्के में ले सकता है। हमारी जिम्मेदारी कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है और हम ऐसा करते रहेंगे।" कनाडा के आरोपों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ओटावा के साथ मुख्य मुद्दा उस देश में भारत विरोधी तत्वों की गतिविधियां है। बागची ने कहा, "जहां तक कनाडा की बात है, हमने कहा है कि उन्होंने सतत रूप से भारत विरोधी चरमपंथियों को और हिंसा को जगह दी है और मुख्य मुद्दा दरअसल यही है। कनाडा में हमारे राजनयिक प्रतिनिधियों ने इसके दंश को झेला है।"

पन्नू की हत्या की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क में अमेरिकी जिला न्यायालय में बुधवार को अभियोग में यह खुलासा नहीं किया गया है कि किस अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची गई थी। एक अखबार ने हालांकि अज्ञात सूत्रों के हवाले से पिछले सप्ताह खबर जारी की थी कि अमेरिकी अधिकारियों ने प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' के गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया था और इस साजिश में भारत सरकार के शामिल होने की आशंकाओं को लेकर उसे चेतावनी दी थी।

अमेरिका ने की थी जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण की निंदा

उ.कोरिया ने ठुकराया अमेरिकी प्रस्ताव

सियोल। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की बहन ने कूटनीतिक बातचीत के अमेरिकी आह्वान को खारिज कर दिया तथा आगे और अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का संकल्प जताया।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया के हालिया जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण को संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की थी। इस सप्ताह की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने उत्तर कोरिया के उपग्रह प्रक्षेपण को लापरवाहीपूर्ण और गैरकानूनी कार्रवाई बताया था। हालांकि, उन्होंने बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत की अमेरिकी पेशकश को दोहराते हुए कहा कि उत्तर कोरिया समय और विषय खुद चुन सकता है। किम की बहन और वरिष्ठ अधिकारी, किम यो जोंग ने अमेरिकी प्रस्ताव को खारिज कर दिया तथा आगे और अधिक उपग्रह व अन्य हथियार प्रक्षेपित करने की धमकी दी। जोंग ने कहा, एक स्वतंत्र देश की संप्रभुता कभी भी बातचीत के लिए 'एजेंडा आइटम' नहीं हो सकती है और इसलिए उत्तर कोरिया इस उद्देश्य के लिए कभी भी अमेरिका के साथ बातचीत के लिए नहीं बैठेगा। हम अपने संप्रभु अधिकारों से संबंधित हर चीज को विकसित करने के प्रयास जारी रखेंगे।

लाहौर में सिख परिवार को लूटा

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में एक भारतीय सिख परिवार को पुलिस वर्दी पहने लुटेरों ने लूट लिया। कंवलजीत सिंह और उनका परिवार जब एक दुकान से बाहर निकले तो वर्दी पहने दो लुटेरों ने उन्हें रुकवाया और बंदूक का भय दिखाकर नकद और गहने लूट लिए।

US के पूर्व विदेश मंत्री का निधन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर का बुधवार को निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। किसिंजर की परामर्श कंपनी 'किसिंजर एसोसिएट्स' ने यह जानकारी दी। किसिंजर ने अमेरिका के दो राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और गेराल्ड फोर्ड के कार्यकाल में अपनी सेवाएं दी थीं। 1969 में तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया। यह एक ऐसा पद था जिससे उनकी अमेरिकी विदेश नीति पर गहरी पकड़ बनी। उन्होंने वियतनाम युद्ध को खत्म कराने तथा चीन- अमेरिका के बीच संबंध सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 1973 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने राकेश शर्मा से की मुलाकात

भारतीय एस्ट्रोनॉट को ट्रेंड करेगा नासा

■ धरती की निचली कक्षा में सैटेलाइट तैनात करेगा भारत

एजेंसी | बेंगलुरू

अगले साल अमेरिका एक भारतीय एस्ट्रोनॉट को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भेजने वाला है। इसके लिए वह इसरो द्वारा चुने गए एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष यात्रा और स्पेस स्टेशन में काम की ट्रेनिंग भी देगा। यह बात नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने पूर्व भारतीय एस्ट्रोनॉट राकेश शर्मा से मुलाकात के दौरान बेंगलुरू में कही।

बिल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच स्पेस इंडस्ट्री को लेकर कई बड़े समझौते हो रहे हैं। हम आपस में साइंस को शेयर करते हैं। बिल नेल्सन (नासा-इसरो-सार) निसार सैटेलाइट की जांच-पड़ताल के लिए बेंगलुरू गए हुए थे। निसार सैटेलाइट को धरती की निचली कक्षा में तैनात किया जाएगा। एक एसयूवी के आकार का यह सैटेलाइट अगले साल की पहली तिमाही में लॉन्च किए जाने की संभावना है। निसार पूरी धरती का हर 12 दिन में एक बार नक्शा बनाएगा। इसमें वह बर्फ की लेयर, ग्लेशियर, जंगल, समंदर का जलस्तर, भूजल, प्राकृतिक आपदाएं जैसे- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन की जानकारी देगा।

चंद्रयान-3 से चमका भारत

भारत ने अगस्त में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के नजदीक चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराकर दुनिया भर में नाम कमाया। जबकि, रूस का लूना-25 लैंडर दक्षिणी ध्रुव के पास ही क्रैश कर गया। इसके बाद से पूरी दुनिया में भारत की स्पेस इंडस्ट्री की मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है। चंद्रमा के फार साइड पर साल 2019 में ही चीन सॉफ्ट लैंडिंग करा चुका है। उसके पास अब भी कई मिशन हैं, जो चांद पर भेजे जाएंगे। चीन ने 2022 में अपने स्पेस मिशन प्रोग्राम्स पर 12 बिलियन डॉलर्स खर्च कर चुका है। यानी 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा। अमेरिका 2025 तक अर्टेमिस मून प्रोग्राम पर 7.75 लाख करोड़ रुपए खर्च करने वाला है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl